Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक - 248 मंगलवार ,12 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

प्रयत्न देवता हैऔर भाग्य दैव्य। इसलिए प्रयत्नदेव की उपासना करनी चाहिए।

-समर्थ गुरू रामदास-

आदित्य ठाकरे समेत शिवसेना के 53 विधायक की बढ़ी मुश्किलें,शिंदे के 39 और उद्धव के 14 विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई, 11 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में सियासी उठापटक लगातार जारी है। उद्धव ठाकरे के इस्तीफा देने के बाद और एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में सरकार बनने के बाद भी सियासी गहमागहमी लगातार जारी है। इसी बीच मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा के प्रधान सचिव राजेंद्र भागवत ने शिवसेना के 55 में से 53 विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

बता दें महाराष्ट्र में शिंदे और फडणवीस की सरकार बनने के बाद भी सियासी गहमागहमी थमने का नाम नहीं ले रही है। महाराष्ट्र विधानसभा के प्रधान सचिव ने शिवसेना के 53 विधायकों को कारण बताओ नोटिस किया हिअ। इसमें शिंदे गुट के 39 और उद्धव गुट के 14 विधायक शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये कारण बताओ नोटिस दलबदल के आधार पर अयोग्यता के नियम के तहत जारी किया गया है।

विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग

बता दें दोनों पक्षों के विधायकों ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

कारण बताओ नोटिस मिलने की पुष्टि की है। ठाकरे के गुट के 14 विधायकों में से एक संतोष बांगर 4 जुलाई को फ्लोर टेस्ट के दिन शिंदे खेमे में शामिल हो गए थे। दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर स्पीकर के चुनाव और विश्वास मत पर वोटिंग के दौरान

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिंदे गुट ने उन विधायकों की सूची में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे का नाम शामिल नहीं किया है, जिनके खिलाफ उन्होंने अयोग्यता की मांग की है। गौरतलब है कि विधायकों को यह नोटिस महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य (दलबदल के आधार पर अयोग्यता) नियमों के तहत जारी किए गए हैं। इसके साथ ही सभी विधायकों को सात दिनों के अंदर अपना जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

नोएडा में कांवड़ यात्रा पर प्रशासन की तैयारी पूरी,यात्रा मार्ग पर मीट-शराब की दुकान रहेंगी बंद

नोएडा ,11 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश सरकार ने 14 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाली वार्षिक कांवड़ यात्रा की तैयारी शुरू कर दी हैं। यात्रा के मार्गों में साफ-सफाई और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। नोएडा में ईद और कांवड़ यात्रा पर जिलाधिकारी सुहास एल.वाई. ने अन्य अधिकारीयों के साथ बैठक कर तमाम तैयारियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। नोएडा में जल्द कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक सुचारु रूप से चले और कांवड़ यात्रा में कोई दिक्कत न आए, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है।

इसी बीच नोएडा में कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली मांस और शराब की सभी दुकानों को बंद करने के भी निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मानहानि मामलाः हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को दी राहत

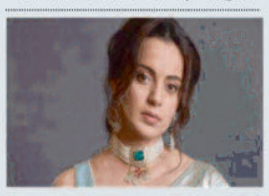

चंडीगढ़, 11 जुलाई 2022। मानहानि मामले में फंसी बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर अहम खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट ने कंगना को 8 सितंबर तक राहत देते हुए निचली अदालत को हाईकोर्ट की अगली तारीख तक मामले की सुनवाई न करने के लिए कहा है। आपको बता दें कि 14 तारीख को कंगना की बठिंडा अदालत में पेशी थी। अब राहत मिलने के बाद उन्हें 14 तारीख को होने वाली पेशी से छूट मिल गई है। गौरतलब है कि किसान आंदोलन के समय कंगना रनौत ने बठिंडा की एक बुजुर्ग महिला महिंदर कौर की तस्वीर पोस्ट करते हुए विवादित बयान दिया था। इसके बाद महिंदर कौर ने गत वर्ष कंगना के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज करवाया था। कंगना ने इस शिकायत को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दी थी।

शादी के बाद सीएम मान पत्नी सहित श्री दरबार साहिब हुए नतमस्तक

अमृतसर, 11 जुलाई 2022। शादी के बाद पहली पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी धर्मपत्नी सहित कड़ी सुरक्षा के बीच श्री दरबार साहिब नतमस्तक होने पहुंचे। इस दौरान उनकी मां और बहन भी उनके साथ मौजूद रही। अमृतसर पुलिस उनके आने से पहले अलर्ट थी व नवविवाहित जोड़े के स्वागत की तैयार में लगी हुई थी। इस दौरान भारी भीड़ नजर आई। बता दें गत वीरवार को सी.एम. भगवंत मान के हरियाणा की डाक्टर गुरप्रीत कौर के साथ शादी हुई थी। उसके बाद वह पहली बार एक साथ अमृतसर नतमस्तक होने पहुंचे।

तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक की बैठक में पलानीस्वामी को सर्वेसर्वा चुना गया

चेन्नई,11 जुलाई 2022। तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने सोमवार को इडापड्डी के पलानीस्वामी (ईपीएस) को अपना अंतरिम महासचिव निर्वाचित किया और उन्हें संगठन चलाने के लिए अधिकृत किया गया। यहां हुई कार्यकारी समिति और आम परिषद की बैठक में अन्नाद्रमुक ने समन्वयक और संयुक्त समन्वयक पद को समाप्त करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया। ये दोनों पद क्रमशः ओ पन्नीरसेल्वम और पलानीस्वामी के पास थे। पार्टी की बैठक में औपचारिक रूप से महासचिव का चुनाव करने के लिए संगठनात्मक चुनाव चार महीनों में कराने का संकल्प जताया गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री आवास को गन्ना किसानों ने किया घेरने का प्रयास,पुलिस ने हिरासत में

बेंगलुरु, 11 जुलाई 2022। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेंगलुरु स्थित आवास की घेराबंदी करने का प्रयास करने वाले गन्ना किसानों को सोमवार को हिरासत में ले लिया गया। राज्य भर से हजारों गन्ना किसान अपनी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर बेंगलुरु पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी 4,500 रुपये प्रति टन गन्ना, पुराने बिलों का तत्काल भुगतान और बिजली बिलों का भुगतान न करने पर कार्रवाई रोकने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार उनकी समस्याओं से आंखें मूंद चुकी है। उनका कहना है कि कई कैबिनेट मंत्री चीनी फैक्ट्रियों के मालिक हैं, उन्हें गन्ना किसानों को न्याय दिलाने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 4 साल तक गन्ने पर राज्य सलाहकार मूल्य (एसएपी) देने की जहमत नहीं उठाई। राज्य किसान संघ के अध्यक्ष बड़गलपुरा नागेंद्र ने कहा कि सरकार लंबित बिजली बिलों को लेकर किसानों के साथ उलझी हुई है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, हम चाहते हैं कि सीएम बोम्मई इस मुद्दे को हल करें। लेकिन सभी किसानों को हिरासत में लिया जा रहा है। किसानों को गिरफ्तार करना एक अस्थायी समाधान है।

उन्होंने कहा कि जब सीएम बोम्मई मांड्या जिले आएंगे तो हजारों किसान विरोध करेंगे और उन्हें काले झंडे भी दिखाए जाएंगे। किसान नेता ने कहा कि इस पर पुलिस को वहां कार्रवाई करने दें, उन्हें इसकी कोई चिंता नहीं है। राज्य सरकार ने गन्ना किसानों से वादा किया था कि 2017 से पहले के बिजली बिल माफ कर दिए जाएंगे। सरकार ने उन्हें आश्वासन भी दिया है कि बाद में नए मीटर लगाए जाएंगे और किसानों को वहां से बिजली बिलों का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

विवाहिता की मौत,बेटे की चाहत में हत्या का आरोप

रुड़की, 11 जुलाई 2022। झबरेड़ा थाना क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. विवाहिता के मायके वालों में ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है. आरोप है कि उनकी बेटी को उसके ससुराल वालों ने जहर देकर मारा है. शादी के बाद विवाहिता ने दो बेटियों को जन्म दिया था. ससुराल वाले बेटा चाहते हैं, इसीलिए उसे परेशान किया जा रहा था और अब उसे जहर देकर मार दिया.

ये पूरा मामला गोकलपुर गांव का है. महिला के परिजनों ने बताया कि 26 साल की निरसल निवासी इक्कड़ कलां थाना पथरी की शादी पांच साल पहले झबरेड़ा थाना क्षेत्र के गोकलपुर गांव निवासी अंकुर पुत्र धर्मवीर के साथ हुई थी. शादी के बाद निरसल को दो बेटियां हुईं. निरसल की बड़ी बेटी तीन साल और छोटी बेटी डेढ़ साल की है. रविवार देर रात को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई.

निरसल के परिजनों के मुताबिक जैसे ही उन्हें निरसल के मौत की खबर मिली, वे सीधे गोकलपुर गांव पहुंचे. उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी और आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने बेटे की चाहत में उनकी बेटी की हत्या कर दी. परिजनों के अनुसार बेटी के ससुराल वालों ने उन्हें उसकी मौत भी खबर भी नहीं दी थी. गांव के ही एक व्यक्ति ने फोन पर निरसल की मौत के बारे में बताया था.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. झबरेड़ा थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल ने बताया कि मामला संज्ञान में है. अभी पुलिस को इस मामले में तहरीर नहीं मिली है. तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सजा पूरी होने पर सलेम को छोड़ने के लिये केंद्र बाध्य

नयी दिल्ली,11 जुलाई 2022। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि केंद्र पुर्तगाल के समक्ष जताई गई अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करने और 1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में गैंगस्टर अबू सलेम की 25 साल की सजा पूरी होने पर उसे रिहा करने के लिए बाध्य है।सलेम ने कहा था कि 2002 में उसके प्रत्यर्पण के लिए भारत द्वारा पुर्तगाल को दिए गए एक आश्वासन के अनुसार उसकी सजा 25 साल से अधिक नहीं हो सकती है।

न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत शक्ति के प्रयोग और सजा पूरी होने को लेकर राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के तहत भारत के राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए बाध्य है। पीठ ने कहा, आवश्यक कागजात 25 वर्ष पूरे होने के एक महीने के अंदर आगे बढ़ाए जाएं। वास्तव में, सरकार 25 साल पूरे होने पर एक महीने की समयावधि के भीतर सीआरपीसी के तहत छूट के अधिकार का प्रयोग कर सकती है।एक विशेष टाडा अदालत ने 25 फरवरी 2015 को सलेम को, 1995 में मुंबई के बिल्डर प्रदीप जैन की उसके ड्राइवर मेहंदी हसन के साथ हत्या करने के एक अन्य मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

आरोपियों की रिहाई को सरल बनाने जमानत अधिनियम पेश करने पर विचार करे केंद्रःसुप्रीमकोर्ट

कहा-जांच एजेंसियां और उनके अधिकारी सीआरपीसी की धारा 41-ए का पालन करने के लिए बाध्य

सभी हाईकोर्टें उन विचाराधीन कैदियों का पता लगायें, जो जमानत की शर्तों को पूरा करने में समर्थ नहीं

नयी दिल्ली,11 जुलाई 2022। सुप्रीमकोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को आपराधिक मामलों में आरोपियों की रिहाई को सरल बनाने के लिए उन्हें जमानत देने के वास्ते एक नया कानून बनाने पर विचार करने का निर्देश दिया। जस्टिस एसके कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की पीठ ने कई दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि जांच एजेंसियां और उनके अधिकारी सीआरपीसी की धारा 41-ए (आरोपी को पुलिस अधिकारी के समक्ष पेश होने का नोटिस जारी करना) का पालन करने के लिए बाध्य हैं। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्टों से उन विचाराधीन

कैदियों का पता लगाने को भी कहा, जो जमानत की शर्तों को पूरा करने में समर्थ नहीं हैं। न्यायालय ने ऐसे कैदियों की रिहाई में मदद के लिए उचित कदम उठाने का भी निर्देश दिया। सर्वोच्च अदालत ने सभी उच्च न्यायालयों और राज्यों व केंद्र-शासित प्रदेशों की सरकारों से 4 महीने में इस संबंध में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा एक व्यक्ति की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में फैसला सुनाए जाने के दौरान ये दिशा-निर्देश जारी किए। फैसले का ब्योरा फिलहाल उपलब्ध नहीं कराया गया है।

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को 4 महीने की सजा,2000 रूपये जुर्माना

अवमानना मामला

नयी दिल्ली,11 जुलाई 2022। सुप्रीमकोर्ट ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को अदालत की अवमानना के मामले में सोमवार को चार महीने की सजा सुनाई। जस्टिस यू. यू. ललित की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि %कानून का शासन बनाए रखने के लिए अवमानना करने वाले को उचित सजा दिया जाना जरूरी है। पीठ ने मामले में माल्या पर 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। माल्या 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। पीठ ने कहा, %% रिकॉर्ड में दर्ज तथ्यों एवं परिस्थितियों और इस बात पर गौर करने के बाद कि अवमानना करने वाले ने अपने किए पर न कोई पछतावा जताया और ना ही उसके लिए माफी मांगी, हम उसे चार महीने की सजा सुनाते हैं और उस पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाते हैं। पीठ ने कहा कि माल्या पर लगाया गया दो हजार रुपये का जुर्माना चार सप्ताह के भीतर शीर्ष अदालत की %रजिस्ट्री में जमा किया जाए और राशि जमा होने के बाद उसे उच्चतम न्यायालय कानूनी सेवा समिति को हस्तांतरित कर दिया जाए। पीठ ने कहा, %जुर्माना राशि निर्धारित समय में जमा न करवाने पर, अवमानना करने वाले को अतिरिक्त दो महीने जेल में बिताने होंगे। अदालत ने इस मामले में सजा की अवधि तय करने संबंधी अपना फैसला 10 मार्च को सुरक्षित रख लिया था और टिप्पणी की थी कि माल्या के खिलाफ सुनवाई में अब कोई प्रगति नहीं हो सकती। माल्या को अवमानना के लिए 2017 में दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने 2017 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए माल्या की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका 2020 में खारिज कर दी थी। न्यायालय ने अदालती आदेशों को धता बताकर अपने बच्चों के खातों में चार करोड़ डॉलर भेजने को लेकर उन्हें अवमानना का दोषी ठहराया था। माल्या मार्च 2016 से ब्रिटेन में रह रहे हैं।

प्रेमी-प्रेमिका ने लगाई फांसी

चित्रकूट ,11 जुलाई 2022। सोमवार को सवेरे दस बजे विधवा महिला ने अपने प्रेमी संग मिलकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों के घर वाले उनकी शादी करवाने को तैयार नहीं थे। इसीलिए उन दोनों ने ये कदम उठाया। मामले की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शवों को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजा है। साथ ही मामले की जांच कर रहे हैं। जिले के रानीपुर खाकी ग्राम पंचायत निवासी सुनीता देवी की शादी के तीन साल बाद ही उसके पति साधु मौर्य की बीमारी से मौत हो गई थी। उसकी एक सात साल की बेटी है। पति की मौत के बाद वह अपने मायके में रहने लग गई थी। यहां रहने वाले कैलाश यादव से उसका प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। दोनों के घर वालों को इनके रिश्ते से एतराज था।

ईडी ने सोनिया गांधी को फिर जारी किया समन, नेशनल हेराल्ड मामले में 21 जुलाई को होगी पूछताछ

नई दिल्ली, 11 जुलाई 2022। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को नया समन जारी किया है। अब ईडी ने सोनिया गांधी को 21 जुलाई को पेश होने को कहा है। इससे पहले जब ईडी ने समन जारी किया था तो स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सोनिया गांधी ने इसे पोस्टपोन करने का निवेदन किया था। सोनिया गांधी का निवेदन स्वीकार करते हुए ईडी ने पूछताछ की तारीख जुलाई के आखिरी सप्ताह बढ़ाने की बात कही थी।

75 वर्षीय सोनिया गांधी ने ईडी को पत्र लिखकर कहा था कि डॉक्टरों ने उन्हें घर पर ही कुछ समय तक रेस्ट करने को कहा था। बता दें कि सोनिया गांधी कोरोना से संक्रमित हो गई थीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। पहले उन्हें 23 जून को ईडी के सामने पेश होना था। वहीं राहुल गांधी इसी मामले में ईडी के दफ्तर में कई दिनों तक पेश हुए थे।

राहुल गांधी की पेशी के विरोध में कांग्रेस नेता सड़क पर भी उतर आए थे और उन्होंने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और इनका इस्तेमाल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कर रही है।

बता दें कि नेशनल हेरल्ड का मामला तब चर्चा मं आया था जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्रायल कोर्ट में याचिका दे आरोप लगाया था कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने अवैध तरीके से यंग इंडियन लिमिटेड के जरिए असोसिएट जर्नल्स का अधिग्रहण किया था। स्वामी ने आरोप लगाया था कांग्रेस नेताओं ने पैसे का गबन किया है।

2015 में इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जमानत दे दी थी। इसके बाद 2016 में सुप्रीम कोर्ट सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत पांच आरोपियों कोर्ट में पेश होने से छूट दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था।

अन्नाद्रमुक ने ओ.पन्नीरसेल्वम और उनके समर्थकों को पार्टी से निष्कासित किया

मुख्यालय के बाहर दोनों गुटों के समर्थकों में झड़प

चेन्नई,11 जुलाई 2022। अन्नाद्रमुक की आम परिषद की बैठक में सोमवार को बागी नेता ओ पन्नीरसेल्वम को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और कोषाध्यक्ष के पद से निष्कासित कर दिया गया। हालांकि पन्नीरसेल्वम ने कहा कि उनके विरोधी इडापड्डी के पलानीस्वामी को उन्हें पार्टी से निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है और उन्होंने उल्टा पलानीस्वामी को ही पार्टी से %निकालने की घोषणा कर दी। वहीं अन्नाद्रमुक मुख्यालय के बाहर पार्टी के दोनों गुटों के समर्थकों के बीच यहां झड़पें हुईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पन्नीरसेल्वम समर्थकों पार्टी कार्यालय के बाहर मौजूद थे। वहीं पलानीस्वामी के समर्थकों के पार्टी के झंडे के साथ पहुंचने पर झड़प हो गयी। पथराव की बीच कुछ पास में खड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है। बताया जा रहा है कि इस दौरान कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। कुछ लोग कार्यालय के दरवाजे जबर्दस्ती खोल कर अंदर जाते दिखाई दिए।

दरअसल पार्टी के वरिष्ठ नेता एन आर विश्वनाथन ने पन्नीरसेल्वम और उनके समर्थकों को पार्टी से निष्कासित करने संबंधी विशेष प्रस्ताव बैठक में पेश किया और इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अंगीकार कर लिया गया। प्रस्ताव में पन्नीरसेल्वम पर द्रमुक का साथ देने और अन्नाद्रमुक को कमजोर करने के लिए सत्तारुढ़ दल के नेताओं के साथ मिलने और काम करने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया कि पन्नीरसेल्वम ने पार्टी के हितों ,लक्ष्यों और सिद्धांतों के खिलाफ काम किया। प्रस्ताव में कहा गया कि उन्होंने 23 जून को होने वाली आम परिषद की बैठक को रोकने के लिए पुलिस से संपर्क किया, जो उन्होंने पलानीस्वामी के साथ संयुक्त रूप से बुलाई थी। अन्नाद्रमुक ने आरोप लगाया कि पन्नीरस्वामी ने व्यक्तिगत हितों के लिए काम किया। पार्टी ने उनके समर्थकों आर वैथिलिंगम और पी एच मनोज पंडियन को भी निष्कासित किया । दोनों ही विधायक हैं। साथ ही पूर्व विधायक जेसीडी प्रभाकर को भी पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पन्नीरसेल्वम ने कहा उन्हें %1.5 करोड़ पार्टी कार्यकर्ताओं ने समन्वयक निर्वाचित किया था और इसलिए पलानीस्वामी को और अन्य नेता के पी मुनुसामी को उन्हें निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा,%मैं उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करता हूं। आगे की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

संपादकीय

न्यायमूर्तियों की पीड़ा

अब चूंकि ऐसे मामलों पर जज सार्वजनिक टिप्पणियां कर रहे हैं, तो समझा जाता है कि बाहर से होने वाली आलोचना उन्हें अंदर तक परेशान कर रही है।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना ने अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए इस बात पर असंतोष जताया कि भारत में सरकार अपने हर कार्य पर न्यायपालिका की मुहर लगवाना चाहती है, जबकि विपक्ष चाहता है कि कोर्ट उसके एजेंडे के मुताबिक चले। जस्टिस रमना को यह याद दिलाने की जरूरत पड़ी की न्यायपालिका सिर्फ संविधान के प्रति जवाबदेह है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायाधीश जस्टिस जेबी पारदीवाला ने एक भाषण में कहा कि जजों की उनके फैसलों के कारण निजी आलोचना से एक खतरनाक स्थिति बन रही है, जिसमें जज फैसला देने से पहले सोचेंगे कि मीडिया क्या कहेगा, बजाय इसके कि कानून क्या कहता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचना को रोकने के उपाय करने की सलाह सरकार को दी है। जस्टिस पारदीवाला उन दो जजों में हैं, जिन्होंने पिछले हफ्ते भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन टिप्पणियों के बाद से सोशल मीडिया पर सत्ताधारी दल के समर्थकों की तरफ से विषैला अभियान चलाया गया है। उसके पहले जकिया जाफरी मामले में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जो टिप्पणियां की थीं, उनसे उसे लिबरल खेमे की आलोचना का निशाना बनना पड़ा।

अब चूंकि ऐसे मामलों पर जज सार्वजनिक टिप्पणियां कर रहे हैं, तो समझा जाता है कि बाहर से होने वाली आलोचना उन्हें अंदर तक परेशान कर रही है। बेशक न्यायपालिका- या किसी संवैधानिक संस्था पर इस तरह के हमले उचित नहीं हैं, जिनसे उनके प्रति जन अविश्वास बढ़े। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि आज जो माहौल है, उसमें इसे रोकने का कोई बाहरी उपाय है। इसका उपाय संभवतः सिर्फ यही है कि न्यायपालिका अपने को संवैधानिक कसौटियों पर खरा रखे। अब यह जजों- बल्कि न्यायपालिका से जुड़े सभी हितधारकों के लिए आत्म-निरीक्षण का वक्त है कि क्या न्यायपालिका हाल के वर्षों में इन कसौटियों पर खरी उतरी है? अगर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं महीनों लंबित रहती हैं, संविधान के मूल ढांचे से संबंधित सरकार के कदमों के खिलाफ दायर याचिकाएं ठंडे बस्ते में पड़ी रहती हैं, और न्यायपालिका की नाक के नीचे मूलभूत निजी अधिकारों के हनन की शिकायत गहराती जाती है, तो न्यायमूर्तियों को इस प्रश्न का उत्तर अवश्य ढूंढना चाहिए कि इसके लिए कौन उत्तरदायी है?

तेल के खेल में नया खेल!

तेल में बड़ा खेल हो रहा है। किसी का ध्यान इस तरफ नहीं है तो उसका कारण यह है कि छह अप्रैल यानी भाजपा के स्थापना दिवस के बाद से पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। उलटे दोनों ईंधनों के दाम में कमी आ गई है। चूंकि भारत में ज्यादातर लोगों को पेट्रोल-डीजल से इतना ही सरोकार होता है कि इनकी कीमत बढ़ रही है, घट रही है या स्थिर है। कीमत बढ़ नहीं रही है और मई में एक बार उत्पाद शुल्क में कटौती की वजह से पेट्रोल साढ़े नौ रुपए और डीजल सात रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ। सो, इसके बाद अब क्या चाहिए? यूक्रेन और रूस की लड़ाई चल रही है, तेल उत्पादन और निर्यात करने वाले देश उत्पादन नहीं बढ़ा रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं फिर भी भारत में तेल महंगा नहीं हो रहा है तो सब संतुष्ट हैं। उन्हें पता नहीं है कि तेल के खुदरा कारोबार और खुदरा कीमत से इतर भी तेल का बड़ा खेल है।

तेल का यह खेल उलझ गया है और उसके साथ साथ सरकार भी उलझ गई है। सरकार तो अपनी मजबूरी में तेल की कीमतें नहीं बढ़ा रही है। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम पहले ही आसमान पर पहुंचे हुए हैं और अगले कुछ दिन में दो राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। तभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अप्रैल से अभी तक कच्चे तेल की कीमत में 15 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी के बावजूद भारत में कीमतें स्थिर रखी गई हैं। इससे सरकारी पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों का मुनाफा कम हो रहा है। इसके बावजूद उनकी मजबूरी है, जो वे पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रहे हैं। पर ऐसी कोई मजबूरी निजी कंपनियों की नहीं है।

सो, उन्होंने मुनाफा कम होते ही तेल की आपूर्ति घटा दी। इसका नतीजा यह हुआ कि देश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर सूखा पड़ गया। जून में दो-तीन हफ्ते तक कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की किल्लत रही क्योंकि कंपनियों ने आपूर्ति कम कर दी थी। कई राज्यों में ऐसी स्थिति पैदा हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कई दिन तक औसतन चार सौ पेट्रोल पंप बंद रहे।

ऐसा नहीं है कि सिर्फ निजी कंपनियों के पेट्रोल पंप बंद हुए सरकारी कंपनियों ने भी आपूर्ति घटाई। पिछले महीने के आखिरी हफ्ते में एक दिन हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सवा दो सौ पेट्रोल पंप तेल नहीं होने की वजह से बंद रहे। सबसे बड़ी तेल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल के भी 130 पेट्रोल पंप बंद रहे और भारत पेट्रोलियम के 50 से ज्यादा पंप तेल की कमी से बंद रहे। इसके बावजूद तेल मार्केटिंग कंपनियां इससे इनकार करती रही कि कहीं तेल की कमी हो रही है। असल में पिछले करीब दो-तीन महीने से सरकारी और निजी दोनों पेट्रोलियम कंपनियां माहौल बना रही हैं कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से उनको खुदरा कारोबार में नुकसान हो रहा है। उनके माहौल बनाने के बावजूद सरकार कीमतों में बढ़ोतरी करने की इजाजत नहीं दे रही है। ध्यान रहे भारत में 82 हजार के करीब पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से सात हजार से कुछ ज्यादा निजी कंपनियों के हैं। इनमें से ज्यादातर पर आपूर्ति कम हो गई है या बंद हो गई है। सोचें, सरकार बरसों से यह कथा सुनाती रही है कि तेल की कीमतें बाजार के हिसाब से कंपनियां खुद तय करती हैं फिर जब कंपनियों को नुकसान हो रहा है तो वे कीमत क्यों नहीं बढ़ा रही हैं? कीमत बढ़ाने की बजाय वे आपूर्ति कम कर रही हैं। ऊपर से उनका तर्क है कि पिछले साल के मुकाबले तेल की मांग 50 फीसदी बढ़ गई है।

-अजीत द्विवेदी-

देश का बुरा सोचने वालों का देश की प्रगति में कितना योगदान?

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

बयानबाज़ी करने में हर इंसान माहिर है, आज देश के हालातों पर आत्म चिंतन कोई नहीं करता सबको सरकार पर दोषारोपण करने की आदत पड़ गई है। देश की प्रगति में खुद का योगदान कितना है उस पर अगर एक-एक व्यक्ति गौर करें तब परात में छेद का पता चले। भाषण देना, ऊँगली उठाना और दोष देना बहुत आसान है।

श्रीलंका के बिगड़े हालातों को लेकर भारत में राजनीति शुरू हो चुकी है। ये तो होना ही था, मोदी जी की दूरंदेशी से जलने वाले विपक्षि ये मौका कैसे गंवाते। पड़ोसी देश के हालातों के बहाने विपक्ष मोदी सरकार को घेरने की कोशिश में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तो पहले ही मोदी सरकार को घेरने के लिए भारत की तुलना श्रीलंका से कर चुके है। अब टीएमसी भी वही भाषा बोलने लगी है। असदुद्दीन ओवैसी ने बिना किसी का नाम लिए सरकार पर तंज कसा है। कुछ नेतागण अपने बोलने की हदें तक भूल जाते हैं, राजनीति में रहने के बावजूद ओहदे की मर्यादा नहीं समझ पाते, वो देश के प्रधानमंत्री के लिए निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करके जनता की नज़रों में पी एम को नीचा दिखाने की कोशिश करते है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच हिंसक प्रदर्शन शुरू हो चुके है। हालात ये है कि राष्ट्रपति को अंडर ग्राउंड होना पड़ा और प्रदर्शकारियों ने उनके आवास पर कब्जा कर लिया। इस भयंकर संकट के बीच ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। टीएमसी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ेगा जैसा वर्तमान में श्रीलंका में हो रहा है। क्यूँ भै, क्या सिर्फ़ अकेले प्रधान मंत्री जी का ही देश है, उनकी अकेले की जिम्मेदारी है? देश का हर मुद्दा हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है। कुछ राज्यों के सी एम की करतूतों पर भी नज़र ड़ालिए कुर्सी बचाने की जद्दोजहद में जब फ्री फ्री बाँटने की राजनीति पर उतर आते है तब क्यूँ देश का ख़याल नहीं आता? दिल्ली, पंजाब,राजस्थान ,छत्तीसगढ़, और बंगाल की सरकार यही तो कर ही रही है, ऐसे में देश कहाँ से उपर उठेगा। ऋब्द्ध ने एक डाटा दिया ही है, फ्री के चक्कर में इन सब राज्यों की क्या स्थिति हो रही है।

जब देश में ही देश का बुरा सोचने वाले और बुरा करने वाले मौजूद हो, तो दुश्मन की जरूरत नहीं पडती। कुछ तो शर्म करो, बुरा सोचने वालों खुद अपने गिरहबान में झांक कर देखो देश को उपर उठाने में खुद कितना योगदान देते हो। बस एक काम आता है, मोदी को कोसना और टांग खिंचकर गिराना।

देश का दुर्भाग्य है कि मजबूत स्तंभ को गिराने में पूरा देश लगा है। जिस दिन मोदी जी को खो दोगे उस दिन ये देश अनाथ हो जाएगा। पहले पर्याय ढूँढिए मोदी जी का फिर दे दीजिए धक्का बीजेपी को, फिर पता चलेगा। किसी में दम नहीं जो इस देश को आसानी से चला पाएं। खुद का चार लोगों का परिवार संभाल नहीं पाते वो लोग भी मोदी को भांडने से नहीं चुकते। एक बार इतनी बड़ी आबादी को संभाल कर तो देखिए तब पता चलेगा। मोदी जी कोई जादुई चिराग का जीन नहीं की पल भर में सब ठीक कर देंगे। आज आर्थिक मंदी से पूरा विश्व जूझ रहा है। टांग खिंचने से बेहतर होगा देश की उन्नति में अपना योगदान दे।

राजनीतिक गिद्धों को श्रीलंका जैसे हालात भारत के हो ऐसी ही उम्मीद है,

लोकतंत्र और इसके संविधान की शक्ति पर भरोसा नहीं। जनता का भरोसा तो आप में रहा नहीं। सावधान करने, सतर्क-सचेत करने, चिंतन-मंथन करने और श्राप देने में अंतर है कि नहीं? श्रीलंका की वर्तमान दयनीय स्थिति और अराजक भरे हालात की यहाँ भी घटित होने की कामना करने वाले तथ्य-तर्क और नैतिकता की बुनियाद पर पकड़े जाने पर इसे सावधान करना बता रहे है। श्रीलंका की सत्ता और राजनीति तथा आर्थिक हालात भारत की तरह है क्या?

गृहयुद्ध की आग में जल रहे श्रीलंका में विदेशी मुद्रा भण्डार पूरी तरह से खत्म हो गया है। क्या भारत में ऐसी स्थिति है? भारत खुद दूसरे देशों की मदद करने के लिए सक्षम है। देश की सम्मानीय व्यक्ति के लिए अनाप -सनाप बोलने वालों एवं देश का बुरा सोचने वालों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

श्रीलंका में फैला जन आक्रोश

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

.. अभी

हाल ही में टापू देश, श्रीलंका में आसमान छूती महंगाई, भ्रष्टाचार, पेट्रोल का उपलब्ध ना होना, बिजली की कमी, रसायनिक खाद के उपलब्ध ना होने के कारण उत्पादन का कम होना, खाने के लिए दाने दाने को तरसना तथा मूलभूत दवाओं के उपलब्ध ना होने, राष्ट्रपति तथा उ%नके परिवार द्वारा अपने हितों को ध्यान में रखना आदि ने आपातकाल तथा कर्फ्यू के बावजूद लगभग एक लाख लोगों को राष्ट्रपति निवास मैं घुसपैठ करके तोड़फोड़ करने और प्रधानमंत्री निवास को आग लगाने के लिए मजबूर कर दिया! यह सब सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को निजी हाथों में बेचने तथा अन्य गलत नीतियों का परिणाम है! जन आक्रोश के मद्देनजर राष्ट्रपति गोटाबाय राजपक्षे देश से भाग गए हैं! श्रीलंका को कोई देश या अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्तमान आर्थिक संकट से उबरने के लिए उधार देने के लिए तैयार नहीं! देश लगभग दिवालिया हो चुका है! श्रीलंका में आर्थिक संकट को देखते हुए लोगों के जन आक्रोश से पाकिस्तान, भारत आदि देशों को सबक सीखना चाहिए! समय रहते अगर उचित नीतियां ना अपनाई जाए तो किसी भी देश में श्रीलंका जैसी स्थिति हो सकती है! श्रीलंका में काफी समय से लोकतांत्रिक व्यवस्था है! किसी जमाने में इस देश की प्रधानमंत्री , श्रीमती भंडार नायके ने निर्गुट सम्मेलन की महत्वपूर्ण सदस्य के तौर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ विश्व शांति में अपनी भूमिका निभाई थी! धीरे धीरे श्रीलंका के हालात बिगड़ते गए! चुनावों में धांधली होने लगी! राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री येन केन प्रकारेण सत्ता पर कब्जा करते रहे और अपने परिवारजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों को आम जनता के हित की लागत पर लाभ पहुंचाते रहे! ऐसी ऐसी नीति अपनाई गई जो कि देश हित में नहीं थी! सार्वजनिक इकाइयों को निजी हाथों में सौंप दिया, जैसे कि आजकल भारत में हो रहा है, निजी हाथों में सार्वजनिक इकाइयों जाने के बाद जनकल्याण के बदले में उन्होंने इनसे अधिकतम लाभ कमाना शुरू कर दिया! सरकार ने सस्ती लोकप्रियता के लिए ऐसी ऐसी योजनाएं लागू की जिनसे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ा, आईएमएफ तथा दूसरी संस्थाओं से कर्जा तो लिया लेकिन उसे उत्पादक कार्यों में लगाने के बदले में अपने खर्चे को पूरा करने के लिए दुरुपयोग किया! परिणाम स्वरूप श्रीलंका सरकार अंतरराष्ट्रीय ऋणों को ना तो वापस कर सकी और ना ही उनके ऊपर जो ब्याज बनता था वह दे सकी! इस समय श्रीलंका भारी वित्तीय संकट में से गुजर रहा है जिससे उबरने के लिए इसे कोई भी अंतरराष्ट्रीय संगठन या संस्था उधार देने के लिए तैयार नहीं क्योंकि वह समझते हैं कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था की स्थिति ऐसी नहीं कि वो पुराना तथा नया कर्जा वापस कर सके! इसका नतीजा यह हुआ कि देश में पेट्रोल, अनाज, जरूरी दवाएं, रसायनिक खाद, बिजली आदि मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण लोगों में आक्रोश बढ़ गया है क्योंकि आम जनता यह समझती है कि वर्तमान सरकार भाई भतीजावाद की नीति के ऊपर चलकर अपने ही लोगों को लाभ पहुंचा रही है और जिस जनता ने उनको गद्दी पर बिठाया उनकी कोई परवाह नहीं कर रही! भारत सरकार ने श्रीलंका की कुछ हद तक मदद करने की कोशिश की लेकिन वहां की मूलभूत समस्याओं को हल करने में तो हमारी सरकार भी बेबस है! महंगाई के कारण लोगों का इतना बुरा हाल है कि वे अपनी मूलभूत जरूरतें भी पूरी नहीं कर पाते! कोरोना काल तथा बाद के समय में गलत सरकारी नीतियों के कारण ही ऐसा हुआ है! जितना जन आक्रोश श्रीलंका में अब हुआ है इतना शायद श्रीलंका के इतिहास में कभी नहीं हुआ! आक्रोशित लोगों का सरकारी राष्ट्रपति निवास में घुस जाना, तोड़फोड़ करना, प्रधानमंत्री के निवास को आग लगाना यह कोई मामूली बात नहीं है! देश की सेना इस प्रकार के विद्रोह को रोकने के बदले में सरकार से संबंधित लोगों की रक्षा करने में लगी रही! भारत में भी विभिन्न वस्तुओं की कीमतें आसमान को छू रही हैं, बेकारी और गरीबी बढ़ रही है, सार्वजनिक इकाइयों को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है, रेलवे, खाने, बैंक, सड़कें, हवाई अड्डे आदि धीरे धीरे निजी हाथों में जा रहे हैं! यह सब लोग खुद को और अमीर बनाने और अधिक से अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं को और महंगा करके लोगों का खून चूस रहे हैं! पेट्रोल, सब्जियां, दालें, खाने के तेल, घरेलू गैस आदि धीरे धीरे वैसे महंगे होते जा रहे हैं जैसे कि श्रीलंका में आजकल स्थिति देखने को मिलती है! समय रहते हमारी सरकार को ऐसी नीतियां अपनाने चाहिए कि भारत श्रीलंका ना बन जाए! तुरंत भारत को कोई खतरा नहीं, लेकिन भविष्य सुरक्षित तथा सुखमय होना चाहिए! भारत की सभी समस्याओं के लिए हम अंतर्राष्ट्रीय कारकों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते, बहुत कुछ हमारी नीतियों, उन्हें लागू करने पर निर्भर करती है! हमारे देश की बदकिस्मती यह रही है कि हमारे यहां अर्थशास्त्र पर राजनीति हावी होती रही है यहीं से अर्थव्यवस्था की बदहाली शुरू हो जाती है! हम समय रहते संभल जाए तो ज्यादा अच्छा है!

शिक्षा,जागरूकता के अभाव में फैलती अंधविश्वास की जड़ें

संजीव ठाकुर,
रायपुर
छत्तीसगढ़,

अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैद्य यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैद्य यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही हैद्य

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैद्य उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैद्य शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएद्य बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चैनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

भारत और शिंजो आबे

आबे प्रत्येक माध्यम से भारत के साथ खड़े थे। डोकलाम संकट और मौजूदा गतिरोध के दौरान जापान ने यथास्थिति को बदलने के लिए चीन के खिलाफ बयान दिए। 2021 में, भारत सरकार ने श्री आबे को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

सत्यवान सौरभ,
भिवानी, हरियाणा

संसदीय चुनाव के लिए एक अभियान कार्यक्रम के दौरान एक हमलावर द्वारा गोली मारे जाने के बाद शुक्रवार को आबे के असामयिक निधन ने एक ऐसे नेता के करियर पर पर्दा डाल दिया, जिसने जापानी राजनीति और कूटनीति को फिर से परिभाषित किया। अपने 2013 के भाषण में, उन्होंने तीन विदेश नीति प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। पहला वह चाहते थे कि जापान ÷वैश्विक कॉमन्स का संरक्षक÷ बनने के लिए कदम बढ़ाए। दूसरी देश के युद्ध के बाद के संविधान का संशोधन और तीसरा रूस के साथ शांति संधि। 2021 में, भारत सरकार ने श्री आबे को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

जापान को भारत के आर्थिक परिवर्तन में एक प्रमुख भागीदार के रूप में माना जाता है। हाल के दिनों में, भारत-जापान संबंध महान सार और उद्देश्य की साझेदारी में बदल गया है। भारत के बड़े और बढ़ते बाजार और इसके संसाधनों, विशेष रूप से मानव संसाधनों सहित कई कारणों से भारत में जापान की रुचि बढ़ रही है। भारत के भीतर जापान भारत को ओडीए (आधिकारिक विकास सहायता) के रूप में एक प्रमुख वित्तीय दाता रहा है। यह भारत की मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उच्च स्तर की रुचि और समर्थन बनाए रखना जारी रखता है जैसे- दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, चेन्नई-बैंगलोर औद्योगिक गलियारा, अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल जैसे बड़े -बड़े प्रोजेक्ट्स।

भारत के बाहर एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर (एएजीआर) 2017 में घोषित किया गया। बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका जैसे कुछ तीसरे देशों और अफ्रीका में भी संयुक्त परियोजनाओं को संयुक्त रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रणनीतिक वार्ता है। मालाबार अभ्यास भारत, जापान और अमेरिका द्वारा निरंतर आधार पर किया जाता रहा है। रक्षा और विदेश मंत्री स्तर पर 2+2 संवाद किये जा रहें हैं।

भारत जिन देशों को निर्यात करता है, उनकी सूची में जापान शीर्ष 25 देशों की सूची में 18वें स्थान पर है। भारत में आयात करने वाले देशों की सूची में जापान 12वें स्थान पर है। वित्त वर्ष 2018 में जापान को भारत का निर्यात मूल्य के लिहाज से वित्त वर्ष 2015 की तुलना में कम था। भाषा बाधाओं, उच्च गुणवत्ता और सेवा मानकों के परिणामस्वरूप भारत जापानी बाजार में प्रवेश करने के लिए संघर्ष कर रहा है। उभयचर यूएस -2 विमानों की खरीद के लिए बातचीत वर्षों से चली आ रही है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में जाने की इच्छा, जहां जापान ने विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता की है, कभी पूरी नहीं हुई। अहमदाबाद से मुंबई के लिए जापानी बुलेट ट्रेन, भूमि अधिग्रहण और अन्य मुद्दों के कारण बाद में देरी से चल रही है इंडो-पैसिफिक में नेता के रूप में जापान ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था में एक नेता के रूप में जापान का नेतृत्व किया, श्री आबे इंडो-पैसिफिक में नियम-आधारित आदेश को लोकप्रिय बनाने वाले पहले लोगों में से थे। वह चाहते थे कि जापान तेजी से प्रतिस्पर्धी समुद्री क्षेत्र में वैश्विक कॉमन्स का संरक्षक÷ बनने के लिए कदम उठाए, और एस, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया जैसे ÷समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों÷ के साथ मिलकर काम करे। उन्होंने विशेष रूप से एशिया में बढ़ते चीनी प्रभाव के बीच अधिक सुरक्षा जिम्मेदारियां ग्रहण कीं। इस स्टैंड ने उन्हें अक्सर सी चीन के क्रॉस हेयर में ला दिया। श्री आबे भी चाहते थे कि जापान क्षेत्रीय व्यापार में अग्रणी बने।

सशस्त्र बलों के लिए कानूनों में संशोधन के लिए संविधान के अनुच्छेद 9 को बदलने में विफल रहे, उनकी निगरानी में, जापान ने उन कानूनों में संशोधन किया जो अपने सशस्त्र बलों को विदेशों में तैनात करने की अनुमति देंगे और सेना ने पहली बार विदेशी धरती पर अभ्यास में भाग लिया। उन्होंने यूएस-जापान गठबंधन को काफी मजबूत किया, और उसके आधार पर, उन्होंने एस, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया [क्वाड] द्वारा क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिए एक आधार स्थापित किया। ट्रांस-पैसिफिक-पार्टनरशिप ट्रेड डील को अंजाम दिया, जिसे चीन के आर्थिक काउंटर के रूप में देखा गया। आबे प्रशासन यू.एस. के बिना भी टीपीपी स्थापित करने में कामयाब रहा, जिससे एशिया प्रशांत क्षेत्र को किसी तरह मुक्त व्यापार की गति बनाए रखने में मदद मिली।

आबे ने दक्षिण चीन सागर से स्वेज और अफ्रीका के पूर्वी तट तक फैले विशाल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझा नेतृत्व के लिए एक संकीर्ण वित्तीय सहायता प्रतिमान से दूर जापान-भारत संबंधों को आगे बढ़ाया। भारत और जापान द्विपक्षीय संबंधों को ÷विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी÷ में अपग्रेड करने पर सहमत हुए - समुद्री सुरक्षा के लिए नागरिक परमाणु ऊर्जा,गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए बुलेट ट्रेन, इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी, आबे भारत के लिए एक मूल्यवान जी -7 नेता थे, जो रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक वितरण पर ध्यान केंद्रित करते थे, और भारत के घरेलू विकास से विचलित नहीं होते थे। आबे के कार्यकाल के दौरान, भारत और जापान इंडो-पैसिफिक आर्किटेक्चर में करीब आ गए। आबे ने अपने 2007 के भाषण में ÷दो समुद्रों के संगम÷ के अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट किया था जब क्वाड का गठन किया गया था। 2015 में आबे की यात्रा के दौरान, भारत ने शिंकानसेन प्रणाली (बुलेट ट्रेन) शुरू करने का फैसला किया। आबे के नेतृत्व में, भारत और जापान ने एक्ट ईस्ट फोरम का भी गठन किया और पूर्वोत्तर में परियोजनाओं में लगे हुए हैं, जिन पर चीन की नजर है। दोनों देशों ने बीजिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए मालदीव और श्रीलंका में संयुक्त परियोजनाओं की भी योजना बनाई।

भारत और जापान असैन्य परमाणु समझौते को समाप्त करने में सक्षम थे, जिसे जापान की परमाणु संवेदनशीलता और भारत द्वारा अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के कारण असंभव माना जाता था, केवल श्री आबे की अपनी संसद के साथ दृढ़ता के कारण। जबकि सुरक्षा समझौता 2008 से था, अबे के तहत, दोनों पक्षों ने एक विदेशी और रक्षा मंत्रियों की बैठक (2 + 2) करने का फैसला किया, और अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौते पर बातचीत शुरू की । 2019 में, पहली विदेश और रक्षा मंत्रियों की बैठक नई दिल्ली में हुई थी। 2015 में रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए थे, जो युद्ध के बाद जापान के लिए एक असामान्य समझौता था।

2013 से, भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच चार सार्वजनिक रूप से ज्ञात सीमा गतिरोध हैं, और आबे उनमें से प्रत्येक के माध्यम से भारत के साथ खड़े थे। डोकलाम संकट और मौजूदा गतिरोध के दौरान जापान ने यथास्थिति को बदलने के लिए चीन के खिलाफ बयान दिए। इंडो पैसिफिक एक रणनीतिक स्थान है जो भारत और अन्य सभी हितधारकों के लिए कई चुनौतियां और अवसर प्रदान करता है। भारत ने जापान के साथ-साथ मालदीव जैसे कई द्वीपीय देशों में रणनीतिक रूप से निवेश किया है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत के हितों के कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त कूटनीतिक पैंतरेबाज़ी और आर्थिक और सैन्य दावा एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में अंतरिक्ष का लाभ उठाने के साथ-साथ जापान एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

भारत को चिकित्सा उपकरणों और अस्पतालों जैसे क्षेत्रों में जापान की ताकत का लाभ उठाना चाहिए और भारत और जापान को एक नियम-आधारित और समावेशी विश्व व्यवस्था के लिए मिलकर काम करने का प्रयास करना चाहिए। स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी भारत में विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगी, इन क्षेत्रों में लचीला और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के साथ-साथ अनुसंधान एवं विकास में सहयोग को बढ़ावा देगी।

आलम कुछ ऐसा था

नितेश कुमार दिवाकर
बैकुंठपुर छत्तीसगढ़

आशिकी का अपना भी
आलम कुछ ऐसा था,
रंग बिरंगे सुन्दर तितलियों के
पंखों जैसा था
हर तरफ हरियाली का
मंजर फैला हुआ है
चांदनी रात थी,
चमकता रोशन सबेरा था
अभी तो हमने आसमान में
उड़ना सीखा था,
खूबसूरत वादियों में
अपना भी रेन बसेरा था
समंदर कि लहरें दिल में
मेरे हिलोरे मार रहा,
सब कुछ अपना होते हुए भी
दिल क्यों तेरा था
ना जाने ऐसा क्या हुआ,
बढ़ रहा दिल में अजाब,
चारो ओर पतझड़ फिर भी,
लगता मौसम सुनहरा था
मोहब्बत के रास्ते,वीरान,
सुनसान जरूर थे मेरे,
प्रेम ग्रन्थ कि रक्षा करने,
यहाँ जबरजस्त पहरा था
अब तो हर जगह होने लगा,
अपना ही आवाजह,
दिल कि बगिया में,
प्यार का फूल हरा भरा था
सजने लगे सेहरे,
प्यार का रंग चढ़ा जो गहरा था,
क्या बतायें दोस्तों,अपना भी आलम
कुछ ऐसा था

माली

कल्पना भदौरिया स्वप्निल
लखनऊ उत्तरप्रदेश

शिक्षक माली जानिए,
शिष्य फूल समान हैं
मिले ज्ञान का प्यार जब,
सुरभित ये उद्यान है
शिक्षक शुभ अवतार है,
जानिए इनको प्राणी
भरते ज्ञान अपार है,
सरस मुख मधुरम वाणी
माली वो संसार का,
सब डाली के फूल है
सारे जग के नाथ वो,
वो पहाड़ हम धूल है
हवा बिखेरे पात जब,
मनुज का जीवन चलता
करे कृपा जब ईश है
तभी मिले है सफलता
माली देता साथ जब,
सुखद मिले परिणाम सब
भजना उस दातार को,
जपना सुबहो शाम अब
मन वचन और कर्म से,
करना कर्म महान सब
शीश चरण रख भाव से,
ईश्वर तुम्हें प्रणाम अब

वृक्षारोपण

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

सकल धरा को सुंदर कर दो।
हरियाली का सबको वर दो।।
दूर करो अब हर बीमारी ।
घर -घर महके अब फुलवारी।।
यही समय है अब तो जागो।
श्रम करके सब आलस त्यागो।।
होंगे पूरित सब घर-उपवन।
विमल बनेगा सबका तन-मन।।
प्राण वायु की कमी न होगी।
बन जाएगा जन-जन योगी।।
पौधारोपण कर ले मानव।
मत बन तू अब भक्षक दानव।।
हरी धरा से नाता जोड़ो।
विटप मंजरी अब मत तोड़ो।।
हरी-भरी अब कर दो धरती।
बिना वसन के भू है डरती।।
सकल धरा को पावन करके।
भू सरिता को जल से भरके।।
होगा फिर से पूरण सपना।
महके भू का कण-कण अपना।।

ओ सखी

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
बालोद छत्तीसगढ़

ओ सखी ! तनिक सुन री।
श्याम मेघ व्योम रख कर,
प्रीत असीम अपनी बाँहों में।
बरसाये शीतल नव नीर,
पुष्प सरीखे तेरी राहों में।
ओ वसुंधरा! तनिक पुलक,
तू ओढ़ हरी चुनरी।
ओ सखी ! तनिक सुन री।
स्वागत करना अपने घर,
सावन-भादो की बरसात को।
मन भर दुलराना अपने,
सुंदर सुकोमल नवजात को।
ओ बया ! तनिक तृण उठा,
तू अपना नीड़ बुन री।
ओ सखी ! तनिक सुन री।
नव प्रभात की लाली में,
नई आशा नव विश्वास भरा।
वर्तमान के कर्मफल ही,
सच करता जीवन सुनहरा।
ओ शिखा! तनिक सोच,
तू स्वर्णिम भविष्य गुन री।
ओ सखी ! तनिक सुन री।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजावासियों के लिए मिलेगी अम्बिकापुर से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

नई दिल्ली तक ट्रेन चलाए जाने की बहुप्रतीक्षित मांग 14 जुलाई को समाप्त हो जाएगी। 15 सालों पहले रेलवे संघर्ष समिति ने इसके लिए आवाज उठाई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर सरगुजा मांगे रेल विस्तार शीर्षक से लगातार मांग उठ रही थी। इसी बीच सरगुजा सांसद एवं केंद्रीय जनजातीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इसकी जानकारी साझा की है। यह खबर मिलते ही सरगुजावासियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। अब सरगुजावासियों के लिए भी दिल्ली दूर नहीं होगी। 15 वर्षों से चली आ रही ये मांग 14 जुलाई को पूरी होने वाली है। इसकी पुष्टि सरगुजा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने भी की है। 15 साल पहले सरगुजा रेलवे संघर्ष समिति द्वारा अंबिकापुर से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन शुरु किए जाने की मांग की गई थी। इसके लिए कई आंदोलन भी हुए। अंततः लोगों का सपना साकार हुआ और 14 जुलाई से अंबिकापुर से दिल्ली ट्रेन शुरु करने की घोषणा की गई। यह घोषणा सरगुजावासियों के लिए बड़ी सौगात है।

डेढ़ दशक पहले उठी थी आवाज़

पूर्व सांसद लरंगसाय ने उत्कल एक्सप्रेस में एक स्लीपर बोगी (कनेक्टिंग) अपने प्रयासों से जुड़वाई थी। जो बिश्रामपुर से सीधे दिल्ली तक जाती थी। इसे 2001 के आसपास बंद कर दिया गया था। 2008 के आसपास दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चलाए जाने की मांग रेलवे संघर्ष समिति ने देवेश्वर सिंह के नेतृत्व में शुरू की थी। 2015 में तात्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु से छत्तीसगढ़ के आधा दर्जन सांसदों के हस्ताक्षरित पत्र के साथ समिति के सदस्यों ने मुलाकात भी की थी। इसके बाद से ही ये मांग लगातार उठती रही।

इस ट्रेन से मिलने वाले लाभ

* देश की राजधानी से वनांचल के लोगों का सीधा जुड़ाव
* व्यापार के लिए ट्रेनों को बदलने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी
* इलाज ले लिए दिल्ली जाने वालों को काफी सहूलियत
* शिक्षा प्राप्त करने दिल्ली जाने वाले युवाओं को सहूलियत
* राजनैतिक दृष्टिकोण से भी नेताओं को दिल्ली पहुंचना आसान होगा(

पीएम मोदी का आश्वासन सही होता आ रहा नजर

रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेश्वर सिंह ने कहा की अटल जी के समय से हम दिल्ली ट्रेन के लिए प्रयास कर रहे थे। सभी सरगुजावासियों को बधाई। रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी से संसद भवन में भी मांग की गई थी। कोविड काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी मेरे पास कॉल आया था। तब भी मैंने दिल्ली ट्रेन की मांग की थी। उन्होंने जो आश्वासन दिया था वह सही होता नज़र आ रहा है।

रेलवे स्टेशन में तैयारियां शुरु

अंबिकापुर-दिल्ली ट्रेन सेवा का शुभारंभ 14 जुलाई को होगा। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम के लिए तैयारियां भी शुरु कर दी गई हैं। टेंट-पंडाल बनाए जाने का काम जारी है, जो 13 जुलाई तक मूर्त रूप ले लेगा अंबिकापुर-दिल्ली ट्रेन सेवा का शुभारंभ होने की खबर जैसे ही सरगुजा वासियों को मिली, उनमें खुशी की लहर दौड़ पड़ी। सभी एक-दूसरे को बधाई देते नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह सरगुजा की बहुप्रतीक्षित मांग थी जो 15 साल बाद पूरी हुई है।

अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज तक पूर्ण नहीं हो सका कोविड सेन्टर का निर्माण:अभय सिंह

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर/भैयाथन,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

प्रशासन की उदासीनता के कारण सूरजपुर जिले के भैयाथान जनपद पंचायत में आज तक कोविड सेंटर का निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। जबकि कोरोना का तीसरी लहर आना संभावित है। संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे है। इसके बावजूद भी कोविड सेंटर का निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। अधूरे पड़े कोविड सेंटर का जायजा जनपद सभापति अभय प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने जनपद पंचायत भैयाथान विभिन्न निर्माण कार्य अधूरा पाए गए।

केंद्र शासन और राज्य शासन के द्वारा लाखों रुपए कोविड सेंटर के निर्माण हेतु खर्च किए जा रहे हैं पर भ्रष्टाचारी अधिकारीयों के कारण जनपद पंचायत भैयाथान में बन रहे 5 कोविड सेंटरों में से एक भी कोविड सेंटर तैयार नहीं हुई है। जिसे जनपद सभापति अभय प्रताप सिंह के द्वारा जनपद पंचायत क्षेत्र

भ्रमण के दौरान निर्माण कार्यों के निरीक्षण में पाया गया कि जनपद पंचायत भैयाथान में चार सब हेल्थ सेंटर और एक प्राइमरी हेल्थ सेंटर का निर्माण किया जा रहा है, जोकि आज तक पूर्ण नहीं हो सका है।जिससे यह साफ प्रतीत होता है कि कोविड सेंटर अधिकारियों की हेराफेरी एवं लापरवाही, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। जनपद पंचायत भैयाथान के अधिकारी कर्मचारी अपने जिम्मेदारियों से भागते नजर आए। जनपद पंचायत भैयाथान में 5 कोविड सेंटर बनना था पर एक भी कोविड सेंटर पूर्णता तैयार नहीं है। इसका जि़म्मेदार कौन, जिला प्रशासन या जनपद पंचायत के वरिष्ठ अधिकारी सूरजपुर जिला फिर से कोरोना की चपेट की तरफ बढ़ रहा मगर हमारे जनपद पंचायत भैयाथान के बहादुर अधिकारी कोविड सेंटरों को अधूरा छोड़ कर अन्य कार्यों में व्यस्त है। चिंता का विषय है तो यह है कि अगर सूरजपुर जिले में कोरोना के मरीज पाए जाते है तो उनको कहां रखा जाएगा। प्रशासन के पास है या इसका जवाब। अब देखना यह है कि शासन प्रशासन इस मामले में क्या अपना आती है। इन भ्रष्टाचारी अधिकारियों पर होगी कार्रवाई या लीपापोती ये भविष्य के गर्त में है।

हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

. मामूली सी बात पर पति ने डंडे से पत्नी के सिर पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में बतौली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गुनी बाई पति राजनाथ कोरवा उम्र 28 वर्ष बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम भटको परसाडांड़ की रहने वाली थी। पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। 9 जुलाई की रात को गुनी बाई गांव में थी। पति घर चलने को बोल रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। महिला राजनाथ को गाली गलौज कर रही थी। तभी गुस्से में पति ने डंडे से पत्नी के सिर पर हमला कर दिया। इससे महिला की मौत हो गई। सूचना पर बतौली थाना प्रभारी एसआई प्रमोद पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की और फरार आरोपी पति को घटना के चंद घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया। कार्रवाई में सउनि शिवमन कौशिक, मुरलीधर यादव मआर मेरी क्लारेट, पुनम पैकरा, आर राजेश खलखो, पंकज लकड़ा शामिल रहे।

576 नग नशीली टेबलेट के साथ आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

पुलिस अधिकारियों द्वारा नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के जिले के थाना व चौकी प्रभारियों को सख्त दिर्नेश दिए गए हैं। निर्देश के तहत जिले में नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम महेशपुर में 576 नग नशीली दवा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नशीली दवा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। थाना प्रभारी सीतापुर उपनिरीक्षक रूपेश नारंग व उसकी टीम को लगातार सूचना मिल रही थी की ग्राम महेशपुर में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से नशीली टेबलेट की बिक्री की जा रही है। जिस पर सीतापुर पुलिस द्वारा लगातार निगाह रखी जा रही थी। 10 जुलाई की सुबह मुखबीर से सूचना मिला कि उक्त व्यक्ति नशीली टेबलेट रखकर बिकी करने हेतु महेशपुर से सीतापुर की ओर ग्राहक के तलाश में घुम रहा है। मुखबिर से सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस ग्राम सोनतराई चौक भवराडाड के पास आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछतपछ के दौरान आरोपी अपना नाम दिपक गिरी साकिन महेशपुर थाना सीतापुर बताया। पुलिस ने इसके कब्जे से 576 नग अवैध नशीली टेबलेट कीमती करीबन 7 हजार रूपये जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक हरिशंकर सिंह, प्रधान आरक्षक गौटिया राम मरावी, महिला आरक्षक पुष्पा लकड़ा, आर. पंकज देवांगन, मनोहर, अर्जन राम पैकरा, शामिल रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर के लिफ्ट में फंसे व्यक्ति को दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया

-नगर संवाददाता-

उदयपुर ,11 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

सोमवार को दोपहर 3 बजे करीब ग्राम केशगवा निवासी काशी यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिफ्ट का प्रयोग कर द्वितीय तल की ओर जा रहा था । तकनीकी खराबी आने की वजह से लिफ्ट बीच रास्ते में अटक गया लिफ्ट का ऊपर नीचे होना बंद हो गया । स्वास्थ्य अमला को एक व्यक्ति के लिफ्ट में फंसे होने की सूचना मिलने पर उसे निकालने काफी जद्दोजहद की गई परंतु लगभग 2 घंटे कोई सफलता नहीं मिली ।

घटना की जानकारी लिफ्ट में फंसे व्यक्ति के परिजनों ने सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार को दी उन्होंने परिजनों को तत्काल उचित प्रबंध करने आश्वासन दिया। फिर मौके पर उदयपुर तहसीलदार गरिमा ठाकुर पटवारी निखिल शर्मा के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटना जायजा लेकर लिफ्ट में फंसे व्यक्ति को निकालने तक मौके पर उपस्थित रही मौके पर उदयपुर पुलिस की टीम उप निरीक्षक समरेंद्र सिंह के नेतृत्व में मौजूद रही।

द्वितीय तल में पहुंचकर लिफ्ट के ब्रेकर के माध्यम से धीरे धीरे गेट के लेबल तक लाकर लिफ्ट के लॉक को तोड़ा गया फिर मजबूती से धक्का देकर लिफ्ट के गेट को काफी मशक्कत के बाद खोला गया। लिफ्ट में फंसे व्यक्ति के बाहर आते ही बीएमओ एवं बीपीएम द्वारा स्वास्थ्य की जानकारी ली गयी।

विदित हो कि काशी राम अपनी पत्नी सरिता यादव जोकि सर्पदंश से विगत दो दिनों से पीड़ित थी उसकी की अस्पताल से छुट्टी कराने आया हुआ था।

इस बारे में बीपीएम भानेश ने बताया की अस्पताल में लिफ्ट 2019 में लगा है। लिफ्ट को आपरेट करने के लिए कोई आपरेटर नहीं है। वोल्टेज आप डाउन होने की वजह से लिफ्ट में तकनीकी खराबी आई और लिफ्ट बीच रास्ते मे अटक गया था।लॉक को तोड़े प्रेसर से दरवाजा को खोलकर उक्त व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

राजस्व अमला पुलिस अमला द्वारा त्वरित कार्यवाही पर परिजनों ने सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नगर निगम उडऩ्दस्ता,पटवारी राजस्व निरीक्षक के मिली-भगत से हो रही शासकीय भूमि पर अतिक्रमण

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

. भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने कलेक्टर को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि शहर के 48 वार्ड में पुनर्वास शासकीय भूमि, नजूल शासकीय भूमि, राजस्व शासकीय भूमि पर बहुत तेजी से भू-माफियों द्वारा तेजी से कब्जा किया जा रहा है। इस कार्य में नगर निगम उडऩ्दस्ता, पटवारी राजस्व निरीक्षक के मिलिभगत से हो रही है। यह जमीन बहुत बेशकीमती एवं करोड़ों रुपय की है। नगर निगम के राजस्व उडऩ्दस्ता शहर में पदस्थ पटवारी, राजस्व निरीक्षक के मिलिभगत से शासकीय योजनाओं हेतु जिसमें आंगनबाड़ी, स्कूल, सामुदायिक भवन जो निगम क्षेत्र में बने है। उसके लिये भविष्य में शासकीय जमीन अतिक्रमण की रफ्तार को देखते हुए शेष नहीं बचेंगें।

बंग्लादेशी शरणार्थियों को बसाने के लिये निगम क्षेत्र में सुभाषनगर भगवानपुर क्षेत्र में करीब 200 एकड़ पुनर्वास की

शासकीय जमीन खाली पड़ी हुई है। इस पर भूमाफियों द्वारा बहुत तेजी से कब्जा कर कब्जे को स्टॉम्प में लिखा पढ़ी कर खरीदी बिक्री की जा रही है। इसी प्रकार शहर के पचपेड़ी मठपारा एवं गंगापुर जो पूर्व में ग्राम पंचायत के हिस्सा थे। वर्ष 2019 के निगम चुनाव में परीसिमन में शहरी क्षेत्र में आ गये हैं। इसमें सैंकड़ों एकड़ शासकीय भूमि शासन की खाली बची हुई है। इस पर भूमाफियों की नजर लगी हुई है।

उन्होंने कलेक्टर को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि अम्बिकापुर निगम क्षेत्र में राजस्व अधिकारियों की जिसमें एसडीएम तहसीलदार नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं शहरी क्षेत्र के हल्का पटवारी की बैठक बुलाकर पूरी शासकीय भूमि का सीमांकन करवाकर नगर निगम के आधिपत्य में इस जमीन को दिया जाए। कलेक्टर द्वारा नगर निगम आयुक्त को यह निर्देश हो कि पूरी शासकीय जमीन का फेसिंग पोल लगवाकर अपनी आधिपत्य में लिया जाये और इन जमीनों पर एक सूचना बोर्ड भी लगा दिया जाये इसी स्थिति में अम्बिकापुर शहरी क्षेत्र में यह शासकीय जमीन बच जाएगी।

जंगली खुखड़ी खाने से 5 बीमार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

जंगली खुखड़ी खाने से एक ही परिवार के 5 लोगों की तबीयत बिगड गई। सभी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अंबिकापुर से लगे ग्राम अखोरा कला के रहने वाले रामसृत राम ने बताया कि घर की महिलाओं द्वारा सोमवार को जंगल से खुखड़ी लेकर घर लौटे थे जिस घर में महिलाओं द्वारा बनाया भी गया और खाने के कुछ देर बाद ही घर के सदस्यों को चक्कर आने शुरू हो गए। तत्काल सभी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाकर भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चार लोगों को छुट्टी दे दी गई है वहीं एक महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश पदाधिकारी बैठक सम्पन्न

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा का पदाधिकारी बैठक 10 जुलाई को अंबिकापुर में संपन्न हुई। जिसमें किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला प्रभारी शामिल हुए। बैठक की शुरुआत मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात बैठक में संगठनात्मक चर्चा करते हुए सभी जिला प्रभारीयो से विगत 3 माह में हुए कार्यों का ब्यौरा लिया गया । बैठक की अध्यक्षता करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य की भूपेश बघेल सरकार किसान विरोधी रवैया अपना रही है। भाजपा किसान मोर्चा ऐसे किसान विरोधी सरकार के खिलाफ जल्द ही सड़क की लड़ाई लड़ेगी। किसान मोर्चा

द्वारा आगामी दिसंबर माह में पूरे प्रदेश भर में ट्रैक्टर रैली की जाएगी तथा किसान मोर्चा के पदाधिकारी गांव गांव तक जाकर किसानों से लगातार चर्चा करेंगे। केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं से किसानों को अवगत कराएंगे किसान मोर्चा का पंचायत संयोजक गठन करने का निर्णय लिए गय।

बैठक का संचालन किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री द्वारिकेश पांडे ने किया एव आभार सोशल मीडिया सह प्रभारी आकाश गुप्ता ने किया इस बैठक में भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर भारत सिंह सिसोदिया किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर, गौरीशंकर श्रीवास, चंदन साहू , मनोज शर्मा, प्रदेश मंत्री पवन साहू , प्रदेश सह कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल,गोमती द्विवेदी, राहुल टिकरिका, राकेश तिवारी , मंगलू राम नुरेटी, विधानंद मिश्रा, अनिल तिवारी जन्मेजय मिश्रा मनोज कंसारी अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने लाई दामिनी के चेहरे पर मुस्कान

-नगर संवाददाता-

लखनपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार की एक बार फिर संवेदनशीलता देखने को मिली जब उन्होंने 6वी में पढ़ रही छात्रा दामिनी को ना सिर्फ पुस्तके दिलाई बल्कि उसका इलाज भी कराया और स्कूल के पास प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास में दाखिला भी करा दिया अब दामिनी को स्कूल जाने के लिए 12 किलोमीटर का रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा जिस पर दामिनी ने कलेक्टर का शुक्रिया भी अदा किया विदित हो कि विगत दिनों पूर्व लखनपुर गवर्नमेंट सीबीएसई इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल में अध्ययनरत कक्षा छठवीं की छात्रा दामिनी को इंग्लिश में पढ़ाई करने और लिखने में कमजोर होकर कर शिक्षिका के द्वारा छात्रा दामिनी का पुस्तक लेकर उसे घर जाने के लिए कह दिया। इसके बाद छात्रा आहत होकर लगभग 15 किलोमीटर पैदल चलकर ग्राम चैनपुर अपने घर पहुंची और बीमार हो गईं। जिसे लेकर घटती घटना पेपर में बड़ी प्रमुखता के साथ इस खबर को प्रकाशित किया गया था। खबर प्रकाशित उपरांत सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आज सुबह भेजा अधिकारीगण सर्वप्रथम छात्रा के घर पहुंच छात्रा से बातचीत की और उसे किताबें भेंट की साथ ही उन्होंने देखा कि छात्रा की तबीयत थोड़ी खराब है। जिस पर उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया और डॉक्टर को दिखाया गया जिसके उपरांत छात्रा को स्कूल ले जाया गया और टीचर से मिलवाया गया साथ ही टीचर को सख्त लफ्जों में छात्रों के साथ उचित व्यवहार करने के निर्देश दिए

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आज दिनांक को शासकीय नवीन महाविद्यालय कमलेश्वरपुर कॉलेज का निर्माण किया गया था जिसके उपलक्ष्य पर आज नवीन कॉलेज महाविद्यालय कमलेश्वरपुर के प्राचार्य एवं समस्त सहायक प्राध्यापक व् संस्था के कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं में हर्ष उल्लास के साथ वर्षगांठ कार्यक्रम मनाया और शुभकामनाएं संदेश आपस में बांटे गए।

हफ्ते के पहले दिन उठा-पटक के बाद लाल निशान पर बाजार बंद,टीसीएस व एयरटेल बने लूजर्स

नई दिल्ली, 11 जुलाई 2022। इस हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 86.61 (0.16 फीसदी) की गिरावट देखने को मिली और ये इंडेक्स 54,395.23 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स में 21 अंकों की कमजोरी दिखी।

निफ्टी इंडेक्स लाल निशान के साथ 16200 के नीचे बंद हुआ। आज के ट्रेडिंग सेशन में 2096 शेयरों में खरीदारी दिखी जबकि 1326 शेयरों में बिकवाली का माहौल देखने को मिला है। 160 शेयरों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद सोमवार को टीसीएस के शेयरों में 4.5% तक की कमी देखने को मिली वहीं, एयरटेल के शेयरों में भी कमजोरी दिखी।

सोमवार के बाजार में आखिरी घंटे में बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इस दौरान आईटी शेयर्स में भारी बिकवाली देखने को मिली है।

सेंसेक्स में भारती एयरटेल, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और ऊर्जा सेक्टर के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली है।

टीसीएस के शेयरों में 4.64 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट जून तिमाही में कंपनी के आंकड़े अपेक्षा के अनुरूप नहीं आने के कारण आई है।

वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, एमएंडएम, डॉ. रेड्डीज लैब, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स के शेयरों में मजबूती दिखी है।

बात अगर एशियाई बाजारों की करें तो शंघाई, हांगकांग और शिओल के बाजार लाल निशान पर बंद हुए हैं जबकि टोक्यो का बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। यूरोपीय बाजारों में निवेशकों का मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को अमेरिकी बाजार भी मिलेजुले रुख के बीच बंद हुए थे।

वहीं, सोमवार को क्रूड ऑयल 1.48 प्रतिशत गिरकर 106.3 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

केंद्रीय बैंक के गवर्नर बोले-मैं पद पर रहूंगा, पर राजनीतिक अस्थिरता से हालात बिगड़ रहे

नई दिल्ली , 11 जुलाई 2022। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर ने कहा है कि वे अपने पद पर बने रहेंगे उन्होंने इस बात को लेकर चेताया भी है कि अगर देश में हालात नहीं सुधरे तो इससे इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से चल रही बेलआउट पैकेज की बातचीत प्रभावित होगी और बेलआउट मिलने में देरी होगी।

आपको बता दें कि श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर पी. नंदलाल वीरासिंघे देश में बीते अप्रैल से आर्थिक संकट शुरू होने के बाद से लगातार आईएमएफ के साथ बातचीत कर बेल आउट पैकेज पाने की कोशिशों में जुटे हैं। बीते मई महीने में उन्होंने कहा था कि अगर 2.20 करोड़ की आबादी वाले समुद्र तटीय देश में अगर राजनीतिक हालत नहीं सुधरे तो वे अपना पद छोड़ देंगे। आपको बता दें कि श्रीलंका पिछले सात दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है।

आपको बता दें कि बीते तीन दिनों में देश के हालात इतने बिगड़ गए हैं कि वहां के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने ही इस्तीफे की पेशकश कर दी है। बीते शनिवार को प्रदर्शनकारी जहां राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के घर में घुस गए थे वहीं प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के घर को आग के हवाले कर दिया था। सोमवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री दफ्तर की ओर से यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति राजपक्ष ने उन्हें फोन कर कहा है कि वे इस्तीफा दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीलंका के केन्द्रीय बैंक के गवर्नर पी. नंदलाल वीरासिंघे ने कहा है कि देश में राजनीतिक अस्थिरता के माहौल से देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिशों को प्रभावित कर सकता है। इससे आईएमएफ के साथ बेलआउट पैकेज के लिए हो रही बातचीत में देरी हो रही है।

रुपया डॉलर के मुकाबले अपने नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा, बाजार में कमजोरी का असर

नई दिल्ली, 11 जुलाई 2022। घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के बीच भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कारण वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल के बीच भारतीय बाजारों में चिंता बनी हुई है।

सोमवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 79.38 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को रुपया 79.25 दर पर कारोबार कर रहा था। इसे पहले रुपया ने अपना पिछला लाइफटाइम लो पिछले हफ्ते लगाया था जब यह टूटकर 79.3750 के स्तर पर पहुंच गया था।

इस दौरान भारतीय शेयर बाजारों में भी 0.5 प्रतिशत की मंदी देखी जा रही है। देश में रुपये के लगातार गिरते दर से चिंता बढ़ती जा रही है। देश में अब इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है।

विपक्षी दलों के लोग आरोप लगा रहे हैं कि प्रधानमंत्री पीएम बनने से पहले रुपये की गिरावट पर सरकार को घेरते थे पर अब जब वे खुद प्रधानमंत्री हैं तो रुपये की गिरावट पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

देश में केन्द्रीयकृत डीआईएन लागू करने की याचिका पर SC ने केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 11 जुलाई 2022। सुप्रीम कोर्ट ने डीआईएन से जुड़ी एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (प्रदीप गोयल) की ओर से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से डीआईएन जारी करने की प्रक्रिया लागू करने की मांग करते हुए याचिका लगाई गई थी।

याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट चारू माथुर ने जस्टिस एमआर शाह और जस्टिज बीवी नागरत्ना की बेंच के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि वर्तमान समय में देश में के सिर्फ दो राज्यों कर्नाटक और केरल में डीआईएन की एक व्यवस्था काम कर रही है। बाकी राज्यों में इसे अब भी अमल में लाया जाना बाकी है।

याचिका में कोर्ट से गुहार लगाते हुए कहा गया कि सभी राज्यों को डीआईएन सिस्टम को अमल में लाने का निर्देश दिया जाए साथ जीएसटी काउंसिल को भी इस संबंध में एक पॉलिशी डिसिजन लेने का निर्देश जारी किया ताकि सभी राज्य इसे अमल में ला सकें। इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार को भी यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि वह पूरे देश के लिए एक केंन्द्रीयकृत डीआईएन की व्यवस्था बनाकर उसे लागू करे।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है। आपको बता दें कि डीआईएन एक 20 अंकों की पहचान संख्या है जिसका इस्तेमाल सरकार करदाताओं के साथ कम्युनिकेशन करने में करती है।

कमजोर तिमाही नतीजों के बाद टीसीएस के शेयर 4.5 तक लुढ़के, अनुमानों से पीछे रही कंपनी

नई दिल्ली , 11 जुलाई 2022। दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज के शेयरों में सोमार को लगभग 4.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली है। आपको बता दें कि कंपनी के शेयरों में यह कमजोरी जून तिमाही के कंपनी के नतीजों में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण दर्ज की जा रही है।

इससे पहले शुक्रवार को कंपनी ने अपनी जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इसके अनुसार कंपनी के मुनाफे में पिछले साल की साल की तुलना में 5.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जून तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 9478 करोड़ हो गया है। पिछले साल जून तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 9008 करोड़ रुपये था। हालांकि यह प्रॉफिट कंपनी के मुनाफे के अनुमान से काफी पीछे रह गई है।

कयास लगाये जा रहे थे कि कंपनी का मुनाफा जून तिमाही में 9910 करोड़ रुपये हो सकता है। आपको बता दें कि इस तिमाही में कंपनी कुल राजस्व 16.2 प्रतिशत बढ़कर 52,758 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछली तिमाही में 45,411 करोड़ रुपये था। इसमें 16 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

सोमवार को दोपहर 1.20 बजे टीसीएस कंपनी के शेयर 142.30 अंकों (4.39त्न) की गिरावट के साथ 3120.30 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

डेंगू-मलेरिया से लेकर कई प्रकार के कैंसर तक से बचाती है यह औषधि,क्या आप करते हैं सेवन?

भारत में वर्षों से पारंपरिक और घरेलू चिकित्सा के लिए कई तरह की औषधियों को प्रयोग में लाया जाता रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा के साथ-साथ मेडिकल साइंस ने भी इन औषधियों के सेवन के लाभ के बारे में प्रमाणित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ औषधियों में तो ऐसे दिव्य गुण होते हैं जो कई तरह की गंभीर से गंभीर बीमारियों को भी आसानी से ठीक करने में आपकी मदद कर सकते हैं। गिलोय ऐसी ही एक औषधि है, जिसका वर्षों से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए सेवन किया जाता रहा है। विशेषकर कोरोना के दौरान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भी गिलोय के काढ़े का सेवन किया गया।

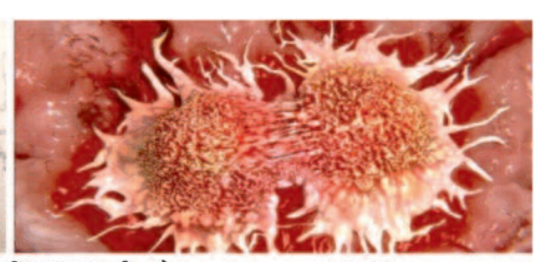

आयुर्वेद में गिलोय को चमत्कारी औषधि के तौर पर वर्णित किया गया है, इसे %अमृता% के नाम से भी जाना जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ है %जीवन का अमृत%।

विशेषज्ञ कहते हैं कि गिलोय का नियमित सेवन करना कई प्रकार की क्रोनिक समस्याओं को ठीक करने के साथ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देकर आपको बीमारियों से सुरक्षित रखने में भी मदद कर सकती है। इसमें मौजूद औषधीय गुण, मानव शरीर के लिए विशेष लाभकारी होते हैं। आइए गिलोय के सेवन से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

मानसून में गिलोय के सेवन के लाभ

देशभर में इस समय मानसून का सीजन चल रहा है, इस मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विशेषतौर पर मानसून के समय में मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से लोगों को प्रभावित देखा जाता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि गिलोय का नियमित सेवन न सिर्फ प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देकर लोगों को इन बीमारियों से सुरक्षित रखने में सहायक है साथ ही इन बीमारियों के इलाज के रूप में भी गिलोय के सेवन से लाभ मिलता है।

गिलोय का कैंसर-रोधी गुण

गिलोय के फायदों को जानने के लिए किए गए प्रयोगशाला अध्ययनों से पता चलता है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव होते हैं, जिसका अर्थ है कि यह कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाने में मदद कर सकता है। ऐसे में गिलोय का नियमित सेवन करने वाले लोगों में स्तन, प्रोस्टेट जैसे कई तरह के कैंसर होने का खतरा भी अन्य लोगों की तुलना में काफी कम होता है। गिलोय के कुछ यौगिक कैंसर रोधी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं।

सर्दी-जुकाम और फ्लू का उपचार

गिलोय का सेवन एलर्जी के खिलाफ भी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। सर्दी-जुकाम और हे-फीवर वाले 75 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि गिलोय के सेवन से इन समस्याओं के लक्षणों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिन लोगों को मौसम में होने वाले बदलाव के साथ ही सर्दी-जुकाम होने लगता है ऐसे लोगों के लिए नियमित तौर पर गिलोय के काढ़े का सेवन करना लाभप्रद हो सकता है।

एंटी-एजिंग जड़ी बूटी

गिलोय को अध्ययनों में एक प्रभावी एंटी-एजिंग जड़ी-बूटी के तौर पर वर्णित किया गया है। फ्लेवोनोइड्स से भरपूर यह औषधि कोशिकाओं की क्षति को कम करके नई कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ावा देने में सहायक है। यह त्वचा को पोषण देने के साथ उम्र बढ़ने वाले संकेतों को कम करने के लिए शरीर में कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाता है। गिलोय का सेवन आपको बढ़ती उम्र के लक्षणों से लंबे समय तक बचाए रखने में सहायक है।

चाय पीने के बाद न फेंके बेकार चायपत्ती, इस कामों में करें फिर से इस्तेमाल

भारत में लोग चाय के शौकीन होते हैं। सबसे ज्यादा तरल पदार्थ में चाय ही पी जाती है। अधिकतर घरों में चाय का सेवन किया जाता है। सुबह के नाश्ते के साथ चाय तो अधिक काम करने पर थकावट या नींद दूर करने के लिए भी लोग चाय पीते हैं। चाय के भी कई फ्लेवर और वैरायटी बाजार में उपलब्ध हैं। ऐसे में लोगों के घरों में बहुत सारी चाय की पत्ती का उपयोग होता है। चाय बनाने के बाद पतीले में बची चायपत्ती को लोग आम तौर पर कूड़ेदान में फेंक देते हैं। दिन में बहुत सारी इस्तेमाल हो चुकी चाय पत्तियों को बेकार समझ कर कूड़े में फेंका जाता है। लेकिन इस्तेमाल हो चुकी चायपत्ती को फेंकने के बजाए कई अन्य कामों में उपयोग में ला सकते हैं। जिस चायपत्ती को आप बेकार समझकर फेंक देते हैं, वह बहुत काम की और फायदेमंद होती है। इसलिए चाय पत्तियों को फेंकने के बजाय उसे दोबारा से इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं उपयोग में आ चुकी चायपत्ती को दोबारा किन कामों में कर सकते हैं इस्तेमाल।

नेचुरल कंडीशनर

बालों के लिए चाय पत्ती फायदेमंद होती है। चाय पत्ती बालों में चमक बढ़ाने के साथ ही कंडीशनर का काम करती है। चाय बनाने के बाद इस्तेमाल हो चुकी पकी चाय पत्तियों को साफ पानी से धो लें और फिर छन्नी से छान लें। एक बर्तन में पानी भरकर इसी चायपत्ती को दोबारा उबालें। उबली हुई चायपत्ती के पानी को छानकर ठंडा करके इसी पानी से नियमित बाल धोएं। इससे बालों में चमक आती है।

पौधों के लिए खाद

घर पर अगर गमले और पौधे लगा रखें हों तो उनकी ग्रोथ के लिए समय समय पर खाद की भी जरूरत होती है। चाय पत्तियों को साफ से धोकर गमले में डाल दें। उपयोग में आ चुकी चायपत्ती आर्गेनिक खाद का काम करेगी और पौधे हरे व खिले दिखेंगे।

जख्म होंगे ठीक

सेहत के लिए भी चाय पत्ती बहुत फायदेमंद है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। जख्म और चोट लगने पर बची हुई चाय पत्तियों को साफ पानी से धोने के बाद दोबारा उबालकर ठंडा करें और फिर चोट पर मल लें। बाद में साफ पानी से जख्म को धो लें। इससे चोट जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बर्तन करें साफ

अक्सर तेल मसालों के कारण अच्छे से साफ करने के बाद भी बर्तनों में गंदगी, पीलापन और बदबू रह जाती है। पीलापन और बदबू निकालने के लिए बची हुई चायपत्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं। चाय पत्ती को उबालकर उसका पानी बर्तन में भरकर रख दें, फिर बर्तन को साफ पानी से धो लें। इससे बर्तन साफ हो जाते हैं।

ज्यादा गुस्सा-तनाव की स्थिति में मीठा खाने की क्यों होती है इच्छा? विशेषज्ञ से जानिए-मस्तिष्क और स्वाद का रहस्यमयी संबंध

शरीर में होने वाली हर छोटी से बड़ी गतिविधि का सीधा संबंध दिमाग से होता है। पैरों को कब आगे बढ़ाना है, शरीर में कब खुजली करनी है, सोने-जागने से लेकर, खाने की इच्छा तक सब कुछ दिमाग द्वारा संचालित होता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ मस्तिष्क को शांत और स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि अधिक तनाव लेने वाले लोगों में समय के साथ डायबिटीज का भी जोखिम बढ़ जाता है।

तनाव की स्थिति में मस्तिष्क में कुछ ऐसी क्रियाएं होती हैं जो मधुमेह रोग विकसित करने का कारण बन सकती हैं। तनाव की स्थिति में मीठी चीजें खाने की तीव्र इच्छा होना इसी का एक उदाहरण है।

क्या आपको भी तनाव या गुस्से की स्थिति में मीठा खाने का बहुत मन करता है? आपने सोचा, आखिर इसका क्या कारण है? हाल ही में प्रकाशित एक लेख में चेलाराम डायबिटीज इंस्टीट्यूट, पुणे में एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ उन्नीकृष्णन ने तनाव की स्थिति में मीठी चीजें खाने की होने वाली तीव्र इच्छा के कारणों के बारे में स्पष्ट किया है। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

तनाव के कारण बढ़ सकता है डायबिटीज का खतरा

शोधकर्ताओं का कहना है कि जिन लोगों में आनुवांशिक रूप से डायबिटीज का जोखिम होता है, उन्हें इससे बचाव के उपाय करते रहने चाहिए। पर तनाव की स्थिति में डेजर्ट की इच्छा पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, यह भी डायबिटीज को विकसित करने का कारण हो सकती है। पर आखिर तनाव का मीठे से क्या संबंध है?

इस बारे में डॉ उन्नीकृष्णन बताते हैं, तनाव की स्थिति में मस्तिष्क में कुछ ऐसी रसायनिक गतिविधियां होती है, जो आपकी मीठा खाने की चाहत को बढ़ा देती हैं। इसमें भी आपको खुशी महसूस कराने वाले न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन का योगदान माना जाता है। कैसे आइए जानते हैं?

मीठा खाने की इच्छा

डॉ उन्नीकृष्णन बताते हैं, जब भी हम कुछ मीठा खाते हैं तो जीभ पर मौजूद स्वाद का एहसास कराने वाले रिसेप्टर्स उत्तेजित हो जाते हैं, जो तंत्रिका तंत्र के माध्यम से मस्तिष्क को विद्युत संकेत देते हैं। इसका परिणाम स्वरूप स्वाभाविक रूप से डोपामाइन का स्तर बढ़ जाता है जो हमें खुशी का एहसास करता है। यह हमें और अधिक मीठा खाने के लिए उत्तेजित करता है। इसको और बेहतर तरीके से समझने के लिए हमें मस्तिष्क के कार्यों के बारे में जानना आवश्यक है।

भावनात्मक स्थितियों में क्रेविंग

जब भी हम भावनात्मक क्षणों में होते हैं, जैसे तनाव-चिंता, क्रोध-दुख जैसी अनुभूतियों के दौरान शरीर एड्रेनालाईन और कोर्टिसोल स्ट्रेस हार्मोन को रिलीज करता है। ये हार्मोन हृदय गति और रक्तचाप को बढ़ाने के साथ मेटाबॉलिज्म को भी गति देने का प्रयास करते हैं। इन स्थितियों में आपकी कमजोरी और थकान महसूस होती है जिससे छुटकारा पाने और शरीर को ऊर्जा के लिए कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि ऐसी भावनात्मक स्थितियों में हमें मीठी चीजें और कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजों को खाने की तीव्र इच्छा महसूस होती है।

डोपामिन कैसे बढ़ाता है मीठे की इच्छा?

कार्बोहाइड्रेट के पाचन के साथ ही रक्त में शर्करा का उत्पादन होने लगता है। शोध में पाया गया है कि मस्तिष्क की कोशिकाएं रक्त में मौजूद ग्लूकोज के प्रति सीधे प्रतिक्रिया करती हैं। शरीर में डोपामिन हिट होने की स्थिति में इसे मीठी चीजों के अधिक सेवन की इच्छा के कारण के तौर पर भी देखा जाता है। अधिक तनाव लेने की स्थिति में वजन बढ़ने या डायबिटीज होने की समस्या के जोखिम को लिए भी इसे कारक के तौर पर देखा जाता है। जब हम तनाव की स्थिति में अधिक मीठी चीजें या कार्बोहाइड्रेट का सेवन करते हैं तो यह वजन और मधुमेह दोनों को बढ़ाने का कारण बनती है।

अध्ययन में क्या पता चला?

साइंटफिक अमेरिकन जर्नल में भी वैज्ञानिकों ने बताया कि किस तरह से भावनात्मक स्थितियों में कार्बोहाइड्रेट की इच्छा अधिक होती है। शोधकर्ता बताते हैं, तनाव और भूख जैसी स्थितियों में मस्तिष्क क्षेत्रों का पूरा नेटवर्क सक्रिय हो जाता है। सेंटर में वेंट्रोमेडियल हाइपोथैलेमस (वीएमएच) और लेटरल हाइपोथैलेमस होती हैं। ऊपरी मस्तिष्क के ये दो क्षेत्र मेटाबॉलिज्म, भोजन व्यवहार और पाचन कार्यों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हाइपोथैलेमस को ब्रेन के गेटकीपर के तौर पर देखा जा सकता है। यदि इसे लगता है कि मस्तिष्क में ग्लूकोज की कमी है, तो यह शरीर के बाकी हिस्सों से जानकारी को अवरुद्ध कर देता है। इसलिए जैसे ही मस्तिष्क ऊर्जा की आवश्यकता का संकेत देता है, हमें कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों के सेवन की तीव्र इच्छा होने लगती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉ उन्नीकृष्णन कहते हैं, मस्तिष्क की इन क्रियाओं को ध्यान में रखते हुए हमें भावनात्मक स्थितियों में आहार के चयन को लेकर विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। तनाव की स्थिति में चाहे-अनचाहे कार्बोहाइड्रेट का अधिक सेवन वजन और डायबिटीज दोनों के खतरे को बढ़ा देता है।डायबिटीज वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिससे बचाव को लेकर सभी लोगों को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

पीएम ही नहीं,पत्रकार-नेता के तौर पर भी विवादों में रहे जॉनसन,झूठ फैलाने से लेकर अवैध रिश्ते के भी लगे आरोप

लंदन , 11 जुलाई 2022। ब्रिटेन में पिछले करीब छह महीनों से सियासी उथल-पुथल का दौर जारी है। इसकी वजह कोई और नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे का एलान कर चुके बोरिस जॉनसन ही रहे हैं। क्रिस पिंचर स्कैंडल में नाम आने के बाद कंजर्वेटिव पार्टी में उनका जो विरोध शुरू हुआ, वह उनके इस्तीफे की घोषणा के बाद ही खत्म हुआ है। हालांकि, यह कोई पहला स्कैंडल नहीं था, जिसमें नाम आने के बाद जॉनसन विवादों में घिरे। उनके नेता बनने से पहले की पेशेवर जिंदगी में भी जॉनसन पर कई आरोप लगे हैं।

बोरिस जॉनसन पर पीएम बनने से पहले पत्रकार और एक नेता रहते हुए जो आरोप लगे हैं, उनमें झूठ बोलने से लेकर अवैध संबंध रखने के आरोप भी शामिल रहे। आइए जानते हैं कि वे कौन से विवाद रहे, जिनकी वजह से बोरिस जॉनसन का शुरुआती करियर दागदार बना रहा...

पत्रकार के तौर पर

बोरिस जॉनसन और विवादों का साथ उनके कॉलेज से ग्रैजुएट होने के बाद से ही शुरू हो गया था। 1987 के अंत में बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन के प्रतिष्ठित %द टाइम्स% अखबार में नौकरी शुरू की। इस अखबार के लिए लिखे गए एक लेख में जॉनसन ने गलत तरह से अपने कथन को इतिहासकार कॉलिन लुकास से जोड़ दिया था। उनकी इस हरकत का पता लगने के बाद अखबार के एडिटर चार्ल्स विल्सन ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

जॉनसन के साथ अगला विवाद उनकी अगली नौकरी में ही जुड़ गया। द टाइम्स के बाद उन्होंने अपने कुछ पुराने संपर्कों के जरिए एक और लोकप्रिय ब्रिटिश अखबार %द डेली टेलीग्राफ% में नौकरी शुरू की। 1989 में वे यूरोपियन यूनियन (ईयू) की रिपोर्टिंग के लिए बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स भेजे गए। यहां उन्हें अपनी यूरोप-विरोधी रिपोर्टिंग के लिए अलग पहचान मिली। उनके कई पत्रकार साथियों ने आरोप लगाया कि जॉनसन के लेख काफी झूठ से भरे और बहकाने वाले होते हैं, जिससे वे यूरोपीय संघ को बदनाम करने की कोशिश करते हैं।

एक पत्रकार के तौर पर जॉनसन के करियर का अगला पड़ाव %द स्पेक्टेटर% मैगजीन के साथ 1999 में शुरू हुआ। हालांकि, विवादों ने यहां भी उनका पीछा नहीं छोड़ा। 2019 में द टाइम्स के एक लेख में पत्रकार शार्लोट एडवर्डेस ने लिखा था कि 1999 में बोरिस जॉनसन ने द स्पेक्टेटर के दफ्तर में लंच के दौरान उन्हें गलत तरह से छुआ था। शार्लोट का दावा था कि एक और महिला ने भी उन्हें जॉनसन के इस बर्ताव की जानकारी दी थी। हालांकि, जॉनसन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

मजेदार बात यह है कि द स्पेक्टेटर मैगजीन का संपादक रहने के साथ ही बोरिस जॉनसन ने सांसद पद का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। हाउस ऑफ कॉमन्स में कई कमेटियों में शामिल रहने के बावजूद जॉनसन ने मैगजीन नहीं छोड़ी और पार्टी सदस्यों से विवाद वाले कई मुद्दों के बारे में छापना जारी रखा। 2004 में खुलासा हुआ था कि जॉनसन ने साल 2000 के करीब मैगजीन की कॉलम्निस्ट पेट्रोनेला वायट से संबंध रखे थे। आरोप था कि जॉनसन ने दो बार वायट का अबॉर्शन कराया। जॉनसन ने पहले तो इन आरोपों को नकारा, लेकिन इनके साबित होने के बाद कंजर्वेटिव पार्टी के नेता माइकल हॉवर्ड ने उन्हें अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए कहा। जब जॉनसन ने इससे इनकार किया तो हॉवर्ड ने खुद उन्हें बर्खास्त कर दिया।

नेता के तौर पर

जॉनसन ने नेता रहने के साथ लंबे समय तक पत्रकारिता जारी रखी। हालांकि, लंदन का मेयर बनने के बाद उन्होंने डेली टेलीग्राफ में कॉलम लिखना जारी रखा। जॉनसन के साथ अगला विवाद इसी दौरान जुड़ा, जब उनसे एक शो के दौरान डेली टेलीग्राफ से होने वाली अतिरिक्त कमाई के बारे में पूछा गया। दरअसल, जॉनसन पहले ही मेयर रहते हुए लाखों पाउंड की सैलरी पा रहे थे। इसी दौरान अखबार के लिए कॉलम लिखते हुए भी उन्होंने आय का अतिरिक्त स्रोत बनाए रखा।

मीडिया ने कुछ समय बाद ही खुलासा किया कि जॉनसन ने शादीशुदा रहते हुए हेलेन मैकइनटाइर नाम की महिला के साथ संबंध रखे और पिता भी बने। इन आरोपों से जॉनसन ने कभी भी इनकार नहीं किया। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता रहते हुए उन पर संसदीय खर्च से जुड़े एक स्कैंडल में शामिल रहने के आरोप भी लगे। तब कहा गया था कि जॉनसन निजी तौर पर टैक्सी से यात्रा के लिए जबरदस्त खर्च कर रहे हैं। इसके अलावा उनके डिप्टी मेयर इयन क्लीमेंट को सिटी हॉल के क्रेडिट कार्ड के गलत इस्तेमाल का दोषी पाया गया था।

लगभग सवा लाख दस्तावेज लीक,गंभीर आरोपों से घिरी उबर कंपनी

लंदन, 11 जुलाई 2022। एक नए खुलासे से उबर कंपनी गंभीर आरोपों से घिर गई है। कंपनी से जुड़े एक लाख 12 हजार से ज्यादा दस्तावेज लीक हुए हैं, जिन्हें अब 'उबर फाइल्स' के नाम से जाना जा रहा है। ये दस्तावेज ब्रिटिश अखबार द गार्जियन को हाथ लगे हैं। इन दस्तावेजों से सामने आया है कि एप के जरिए कारोबार चलाने वाली उबर कंपनी ने कानून तोड़े, पुलिस की आंख में धूल झोंका, टैक्सी ड्राइवरों को हिंसा में झोंका और विभिन्न देशों में सरकारों से अनुचित फायदा उठाने के लिए लॉबिंग की। अखबार द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट में कहा है कि ऐसे ही तरीकों का सहारा लेकर देखते-देखते उबर अमेरिका की सिलिकॉन वैली से दुनिया भर में कारोबार करने वाली बड़ी कंपनी बन गई।

लीक हुए दस्तावेज पांच साल की अवधि के हैं। उस समय उबर कंपनी को इसके सह-संस्थापक ट्रैविस केलेनिक संचालित करते थे। उस समय कंपनी ने कानूनों की अनदेखी करते हुए अपने पैर पसारने की नीति अपनाई थी। जब इसके खिलाफ माहौल बना, तो कंपनी ने विभिन्न देशों के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, वहां के अरबपति व्यापारियों और मीडिया का समर्थन हासिल करने के लिए अनुचित तरीके अपनाए। द गार्जियन ने कहा है कि कंपनी अधिकारी इस बात से पूरी तरह परिचित थे कि वे कानून तोड़ रहे हैं।

83 हजार से ज्यादा ई-मेल और व्हाट्सएप मैसेज

द गार्जियन को जो 2013 से 2017 तक के जो दस्तावेज हाथ लगे हैं, उनमें 83 हजार से ज्यादा ई-मेल और व्हाट्सएप मैसेज भी हैं। उनमें से कुछ संदेशों से पता चलता है कि उबर कंपनी ने फ्रांस में अपने ड्राइवरों को विरोध प्रदर्शन में भेजने की रणनीति अपनाई। उस दौरान केलेनिक को आगाह किया गया था कि प्रदर्शनों के दौरान ड्राइवरों को हिंसा का शिकार होना पड़ सकता है। इसके जवाब में केलेनिक ने कहा था- 'मेरी राय में ऐसा होने देने चाहिए। हिंसा से सफलता सुनिश्चित होती है।'

द गार्जियन ने सामने आई जानकारियों पर प्रतिक्रिया जानने के लिए केलेनिक से संपर्क किया। तब उनके प्रवक्ता ने कहा- केलेनिक ने कभी ड्राइवरों की सुरक्षा की कीमत पर हिंसा का फायदा उठाने की बात नहीं कही थी। केलेनिक ऐसी किसी गतिविधि में शामिल थे, यह कहना बिल्कुल गलत होगा।

मैक्रों से बातचीत के संदेश भी हुए लीक

लीक हुए दस्तावेजों में केलेनिक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच हुए संदेश का हुआ आदान-प्रदान भी है। उनसे सामने आता है कि मैक्रों जब फ्रांस के आर्थिक मामलों के मंत्री थे, तब उन्होंने गोपनीय ढंग से कंपनी की मदद की थी। उन्होंने उबर को यह सुविधा दी थी, जिससे वह सीधे उनसे और उनके कर्मचारियों से संपर्क कर पाती थी। जब मैक्रों राष्ट्रपति बने, तो ऐसे संकेत हैं कि उन्होंने उबर को लाभ पहुंचाने के लिए असाधारण तरीके अपनाए।

इन दस्तावेजों से यह भी सामने आता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जब देश के उप राष्ट्रपति थे, तो उनका केलेनिक से सीधा संपर्क था। इसी तरह उबर ने दुनियाभर में मीडिया संस्थानों को अपने पक्ष में खबर दिखाने के लिए प्रभावित करने की मुहिम चलाई। द गार्जियन ने कहा है कि मीडिया से संबंधित दस्तावेज उसने इंटरनेशनल कॉन्जॉर्टिम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स को दे दिए हैं, जो इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट जारी करेगा।

जापान में सत्तारूढ़ शिंजो आबे की पार्टी एलडीपी की जीत, चुनाव के दो दिन पहले हुई थी पूर्व पीएम की हत्या

टोक्यो , 11 जुलाई 2022। जापान में उच्च सदन के लिए हुए चुनाव में पूर्व पीएम शिंजो आबे की सत्तारूढ़ एलडीपी को बहुमत मिल गया है। ये चुनाव आबे की हत्या के दो दिन बाद हुए थे।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जापान में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (ङ्घक्क)-कोमितो गठबंधन ने 76 सीटें जीतकर उच्च सदन में अपना बहुमत कायम रखा। शिंजो आबे की पश्चिमी जापान के नारा शहर में शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस वक्त वे एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

रविवार को हुए जापान के उच्च सदन के चुनाव में 52.05 फीसदी वोटरों ने मतदान किया था। ये मतदान 2019 के चुनाव से अधिक है, लेकिन जापान के चुनाव इतिहास का दूसरा सबसे कम रहा। जापान की क्योदो समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की पार्टी एलडीपी के पास 248 सदस्यों वाले ऊपरी सदन में 166 से अधिक सीटें हो गई हैं। एलडीपी गठबंधन का 2013 के बाद से ये सबसे अच्छा प्रदर्शन है। वहीं, जापान की प्रमुख विपक्षी संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 23 सीटें थीं, वह अब 20 के नीचे पहुंच गई है।

पीएम किशिदा व अन्य के चेहरे पर नहीं दिखी खुशी

जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और एलडीपी के अन्य पदाधिकारी रविवार रात को मीडिया के सामने पेश हुए। उन्होंने आबे के निधन के चलते शोक स्वरूप रिबन के साथ काले रंग की टाई और कपड़े पहन रखे थे। इन नेताओं ने मौन रखकर आबे को श्रद्धांजलि दी। जब पीएम किशिदा ने आबे की तस्वीर पर गुलाबी फूल चढ़ाए तो उनके चेहरे पर जीत की खुशी नहीं थी।

चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त नौसैनिक अभ्यास शुरू किया

बीजिंग ,11 जुलाई 2022। चीन और पाकिस्तान ने रविवार को शंघाई के तट पर चार दिवसीय संयुक्त समुद्री अभ्यास शुरू किया। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नौसेना और पाकिस्तान नौसेना जुलाई के मध्य में शंघाई से दूर समुद्री और हवाई क्षेत्रों में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास सी गार्डियन -2 आयोजित करेंगे।

समुद्री सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने के लिए इस अभ्यास में समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ संयुक्त हमले, संयुक्त सामरिक युद्धाभ्यास, संयुक्त पनडुब्बी रोधी युद्ध और क्षतिग्रस्त जहाजों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

लियू ने कहा कि अभ्यास का लक्ष्य रक्षा सहयोग बढ़ाना, पेशेवर और तकनीकी आदान-प्रदान करना, दोनों देशों और दोनों नौसेनाओं के बीच पारंपरिक दोस्ती को गहरा करना और चीन और पाकिस्तान के बीच हर मौसम में रणनीतिक सहकारी साझेदारी के विकास को बढ़ावा देना है।

चीनी प्रतिनिधि-मंडल की यात्रा का मकसद है नेपाल में कम्युनिस्ट एकता कायम कराना

काठमांडो , 11 जुलाई 2022। इस बात के साफ संकेत मिले हैं कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल की नेपाल यात्रा का खास मकसद नेपाल की अलग-अलग कम्युनिस्ट पार्टियों में एकता कराना है। पिछले हफ्ते जब इस दल की नेपाल यात्रा का कार्यक्रम सामने आया, तभी ये कयास लगाया गया था कि ये दल नेपाल के अगले आम चुनाव के मद्देनजर यहां आ रहा है। इस दल का नेतृत्व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश संपर्क विभाग के प्रमुख लिउ जियानचाओ कर रहे हैं।

अपनी यात्रा के पहले ही दिन ने लिउ ने नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद जारी एक बयान में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा- लिउ शिष्टाचार के नाते प्रधानमंत्री देउबा से मिले। दोनों के बीच नेपाल और चीन की साझा दिलचस्पी वाले विषयों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि लिउ ने रविवार को ही नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का से भी भेंट की। मंत्रालय के बयान में कहा गया- दोनों पक्षों ने नेपाल और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के बारे में विचार-विमर्श किया।

नेपाल की राष्ट्रपति से भी मुलाकात

पर्यवेक्षकों के मुताबिक लिउ ने अपनी यात्रा के पहले दिन सरकारी पदाधिकारियों से मुलाकात का कार्यक्रम पूरा कर लिया। अब अपनी यात्रा के बाकी समय में उनका प्रमुख कार्यक्रम तीनों प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों के नेताओं से बातचीत करना है। अपनी चार दिन की यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को चीन लौटने से पहले लिउ नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से मिलेंगे।

नेपाल की तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों के नेताओं में इस समय गहरा आपसी अविश्वास है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) इस समय नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) विपक्ष की प्रमुख पार्टी है। इन पार्टियों के नेताओं ने बताया है कि लिउ और उनके साथ आए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नेता दो दिन तक माओइस्ट सेंटर के नेता पुष्प कमल दहल, यूनिफाइड सोशलिस्ट के नेता माधव कुमार नेपाल और यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली के साथ गहन विचार-विमर्श करेंगे।

दहल और ओली से वीडियो वार्ता

कम्युनिस्ट पार्टियों से जुड़े सूत्रों ने मीडिया से बातचीत में पुष्टि की है कि चीन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट पार्टियों में एकता चाहता है। इसीलिए पिछले महीने विदेश संपर्क विभाग का प्रमुख बनते ही लिउ ने नेपाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यहां आने के पहले ही उन्होंने दहल और ओली के साथ वीडियो वार्ता की। समझा जाता है कि उस दौरान भी उन्होंने कम्युनिस्ट एकता पर जोर दिया।

कुछ रोज पहले दहल ने देश में सोशलिस्ट फ्रंट बनाने का सुझाव दिया था। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि लिउ से बातचीत के बाद ही उन्होंने ये राय जताई। नेपाल में निर्वाचन आयोग ने अगले 18 नवंबर को संसदीय और प्रांतीय विधायिकाओं के लिए आम चुनाव कराने का प्रस्ताव रखा है। उसे देखते लिउ की सक्रियता को महत्वपूर्ण समझा जा रहा है। इसके पहले बीते मार्च में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक समारोह में दहल और ओली को आमंत्रित किया गया था। कुनमिंग में हुए उस समारोह के दौरान भी चीनी नेताओं ने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच एकता की अपनी इच्छा दहल और ओली को बताई थी।

श्रीलंका आईएमएफ की शर्तों को मानें या नहीं,अब है ये तय करने की विकट चुनौती

कोलंबो , 11 जुलाई 2022। श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को सत्ता से हटाने के बाद अब आंदोलनकारियों के एक हिस्से ने प्रस्तावित सर्वदलीय सरकार के सामने अपना मांग पत्र रखा है। उधर श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की यूनियन ने भी देश को मौजूदा संकट से उबारने के लिए अपने सुझाव अगली सरकार के लिए पेश किए हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक ये दोनों सुझाव परस्पर विरोधी हैं। ये देश में मौजूद अलग-अलग नजरिए की नुमाइंदगी करते हैं। इसलिए समझा जाता है कि अगली सरकार के लिए आर्थिक कार्यक्रम तय करना आसान नहीं होगा।

श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर्स यूनियन कहा है कि देश में तुरंत राजनीतिक स्थिरता बहाल कर सख्त राजकोषीय उपाय लागू करने की जरूरत है। साथ ही नई सरकार को तुरंत आर्थिक सुधार को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज मिलने का रास्ता साफ हो सके। यूनियन ने एक बयान में कहा- 'हमें उम्मीद है कि नया प्रशासन आईएमएफ से कर्ज पाने की राह में रुकावट नहीं बनेगा। मौजूदा आर्थिक संकट से देश को निकालने के लिए यही सबसे महत्त्वपूर्ण विकल्प है।'

शर्ते मानी तो बढ़ेंगी लोगों की मुश्किलें

दूसरी तरफ आंदोलनकारियों के एक समूह ने खुला पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि नई सरकार आईएमएफ की शर्तों को मान कर जनता की मुश्किलें न बढ़ाए। इस पत्र में जिक्र किया गया है कि आईएमएफ ने सरकारी उद्यमों के बड़े पैमाने निजीकरण और जनता पर टैक्स बढ़ा कर राजकोषीय सेहत बहाल करने की शर्त रखी है। इस समूह ने कहा है कि ऐसा करने का परिणाम बड़े पैमाने पर रोजगार खत्म होने, औसत वेतन में गिरावट, पानी और बिजली के शुल्क में बढ़ोतरी, और जन कल्याण के कार्यों में और कटौती के रूप में सामने आएगा। उससे पहले से ही मुसीबत में पड़े लोगों की मुश्किलें और बढेंगी।

सोशल इक्वैलिटी पार्टी नामक इस समूह ने बैंकों, बड़ी कंपनियों, चाय बगानों आदि का राष्ट्रीयकरण करने और उत्पादन एवं वितरण के ऊपर सरकारी नियंत्रण कायम करने की मांग की है। इस समूह ने विदेशी व्यापार को भी सार्वजनिक नियंत्रण में लाने और अरबपतियों के धन को जब्त कर राजकोषीय सेहत बहाल करने की मांग सामने रखी है। खुले पत्र में कहा गया है कि किसानों, छात्रों और छोटे कारोबारियों के सारे कर्ज तुरंत माफ किए जाने चाहिए और श्रमिकों की कार्यस्थिति में सुधार के कदमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस समूह ने उत्पादन में स्थानीय जरूरतों को तरजीह देने की मांग भी की है।

आंदोलनकारियों के तमाम गुटों में वैचारिक एकता नहीं

पर्यवेक्षकों के मुताबिक राजपक्षे परिवार को सत्ता से हटाने के लिए एकत्र हुए आंदोलनकारियों के तमाम गुटों में वैचारिक एकता नहीं है। उनमें बड़ी संख्या ऐसे समूह भी शामिल हैं, जो आईएमएफ से कर्ज लेकर समस्या से तुरंत राहत चाहते हैं। बैंक अधिकारियों की यूनियन भी उनमें एक है। इस यूनियन ने भी नौ जुलाई के जनप्रतिरोध का समर्थन किया था, जिस दिन प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति के निवास कोलंबो फोर्ट में घुस गए। यूनियन ने कहा है कि श्रीलंकाई मुद्रा को ढहने से बचाना नई सरकार का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। इसलिए बिजली शुल्क में बढ़ोतरी जैसे राजकोषीय आमदनी को बढ़ाने वाले कदम उठाने होंगे।

समझा जाता है कि नई सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती देश में परस्पर विरोधी नजरिए की वकालत कर रही ताकतों के बीच न्यूनतम आम सहमति बनाने की होगी। ऐसा करने में वो नाकाम रही, तो श्रीलंका में शांति की बहाला एक मुश्किल चुनौती साबित होगी।

चीनी प्रतिनिधि-मंडल की यात्रा का मकसद है नेपाल में कम्युनिस्ट एकता कायम कराना

काठमांडो , 11 जुलाई 2022। इस बात के साफ संकेत मिले हैं कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल की नेपाल यात्रा का खास मकसद नेपाल की अलग-अलग कम्युनिस्ट पार्टियों में एकता कराना है। पिछले हफ्ते जब इस दल की नेपाल यात्रा का कार्यक्रम सामने आया, तभी ये कयास लगाया गया था कि ये दल नेपाल के अगले आम चुनाव के मद्देनजर यहां आ रहा है। इस दल का नेतृत्व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश संपर्क विभाग के प्रमुख लिउ जियानचाओ कर रहे हैं।

अपनी यात्रा के पहले ही दिन ने लिउ ने नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद जारी एक बयान में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा- लिउ शिष्टाचार के नाते प्रधानमंत्री देउबा से मिले। दोनों के बीच नेपाल और चीन की साझा दिलचस्पी वाले विषयों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि लिउ ने रविवार को ही नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का से भी भेंट की। मंत्रालय के बयान में कहा गया- दोनों पक्षों ने नेपाल और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के बारे में विचार-विमर्श किया।

नेपाल की राष्ट्रपति से भी मुलाकात

पर्यवेक्षकों के मुताबिक लिउ ने अपनी यात्रा के पहले दिन सरकारी पदाधिकारियों से मुलाकात का कार्यक्रम पूरा कर लिया। अब अपनी यात्रा के बाकी समय में उनका प्रमुख कार्यक्रम तीनों प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों के नेताओं से बातचीत करना है। अपनी चार दिन की यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को चीन लौटने से पहले लिउ नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से मिलेंगे।

नेपाल की तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों के नेताओं में इस समय गहरा आपसी अविश्वास है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) इस समय नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) विपक्ष की प्रमुख पार्टी है। इन पार्टियों के नेताओं ने बताया है कि लिउ और उनके साथ आए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नेता दो दिन तक माओइस्ट सेंटर के नेता पुष्प कमल दहल, यूनिफाइड सोशलिस्ट के नेता माधव कुमार नेपाल और यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली के साथ गहन विचार-विमर्श करेंगे।

दहल और ओली से वीडियो वार्ता

कम्युनिस्ट पार्टियों से जुड़े सूत्रों ने मीडिया से बातचीत में पुष्टि की है कि चीन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट पार्टियों में एकता चाहता है। इसीलिए पिछले महीने विदेश संपर्क विभाग का प्रमुख बनते ही लिउ ने नेपाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यहां आने के पहले ही उन्होंने दहल और ओली के साथ वीडियो वार्ता की। समझा जाता है कि उस दौरान भी उन्होंने कम्युनिस्ट एकता पर जोर दिया।

कुछ रोज पहले दहल ने देश में सोशलिस्ट फ्रंट बनाने का सुझाव दिया था। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि लिउ से बातचीत के बाद ही उन्होंने ये राय जताई। नेपाल में निर्वाचन आयोग ने अगले 18 नवंबर को संसदीय और प्रांतीय विधायिकाओं के लिए आम चुनाव कराने का प्रस्ताव रखा है। उसे देखते लिउ की सक्रियता को महत्वपूर्ण समझा जा रहा है। इसके पहले बीते मार्च में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक समारोह में दहल और ओली को आमंत्रित किया गया था। कुनमिंग में हुए उस समारोह के दौरान भी चीनी नेताओं ने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच एकता की अपनी इच्छा दहल और ओली को बताई थी।

CMYK

पटना नगर पंचायत बनेगा या फिर चार पंचायत बनेगा ऐसी उठने लगी आवाज ?

» पटना की ग्राम सभा होगी काफी खास,पटना नगर पंचायत बनने की सहमति मिलेगी या फिर चार पंचायत बनने की होगी सहमति ?

» एक तरफ नगर पंचायत के लिए राजनीतिक एवम व्यव्सायी वर्ग उत्साहित।
» वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण एवम सर्व आदिवासी समाज नगर पंचायत के विरोध में।
» नगर पंचायत बनाया जाए या न बनाया जाए होगी ग्राम पंचायत में ग्राम सभा।
» ज्यादा से ज्यादा लोग जुट सकें,मुनादी कराने की उठ रही मांग।
» ग्राम सभा मे क्या नगर पंचायत बनाये जाने की मांग को मिलेगा समर्थन।
» पटना को ग्राम पंचायत रहने दिए जाने को कितना मिलेगा समर्थन यह भी ग्राम सभा से होगा साफ।

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। बैकुंठपुर विधानसभा के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पटना पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत बनाये जाने की घोषणा की वहीं घोषणा के तत्काल बाद जहां एक तरफ पटाखे फोड़कर कुछ लोगों खासकर राजनीतिक एवम व्यव्सायी वर्ग को उत्साह मानते देखा गया वहीं घोषणा दिवस ही सर्व आदिवासी समाज की तरफ से साथ ही पटना ग्राम में निवासरत कुछ ग्रामीणों की तरफ से पटना को ग्राम पंचायत ही रहने दिए जाने को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप दिया गया, जिसको लेकर अब एक नई चर्चा पटना में जारी हो गई है और वह यह है कि क्या पटना को नगरपंचायत का दर्जा मिल सकेगा या फिर पटना ग्राम पंचायत ही रहेगा वहीं यदि ग्राम पंचायत रहेगा तो कई पंचायतो में आबादी के हिसाब से विभक्त होगा कि पहले की ही तरह एक ही पंचायत बना रहेगा। वैसे जिन ग्रामीणों ने सर्व आदिवासी समाज के साथ मिलकर मुख्यमंत्री को पटना को नगर पंचायत नहीं बनाए जाने का ज्ञापन सौंपा उनके अनुसार पटना की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण आबादी है और उसमें भी मजदूरी सहित अन्य कई छोटे रोजगार से जुड़े लोगों की संख्या शामिल है जिनपर नगर पंचायत बनने उपरांत कर का बोझ पड़ेगा जो वह नहीं झेल सकेंगे, इसलिए पटना को नगर पंचायत बनाये जाने से ग्रामीणों को कोई फायदा नहीं है ऐसा उनका मानना है।

नगर पंचायत की घोषणा के बाद पटना के निवासी दो मतों में विभक्त हुए

ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत बनाये जाने की घोषणा के बाद ही ग्राम के लोगों को दो मतों में विभक्त देखा जा रहा है, एक तरफ व्यव्सायी वर्ग और राजनीतिक वर्ग सामने है जो नगर पंचायत बनाये जाने को लेकर अपना मत रखता है वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण वर्ग है जो इसे ग्राम पंचायत ही रहने देने की मांग उठा रहा है।

क्या कई पंचायतो में बंटेगा ग्राम पंचायत पटना

ग्राम पंचायत पटना को उसकी आबादी की वजह से नगर पंचायत बनाया जाय यह मांग उठती रही है,क्योंकि आबादी के हिसाब से यहां सुविधाओं का विस्तार सही ढंग से नहीं हो पा रहा है ऐसा ग्राम पंचायत के राजनीतिक एवम व्यव्सायी वर्ग का कहना है। यदि आबादी के हिसाब से ही ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाये जाने की बात उठी है और ग्राम के कुछ लोग नहीं चाहते कि यह नगर पंचायत बने तो क्या ऐसे में ग्राम पंचायत कई पंचायतो में विभक्त होगा यह सवाल उठ खड़ा हुआ है।

ग्राम पंचायत रहने देने ग्रामीणों का अपना है तर्क

जो लोग पटना को ग्राम पंचायत ही रहने देने की मांग का समर्थन कर रहें हैं उनका कहना है कि ग्राम पंचायत में सुविधाओं की कहीं कोई कमी नहीं है, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,सड़क, बिजली, पानी, नाली सहित सभी आवश्यक सुविधाएं ग्राम पंचायत से ही उपलब्ध हो जा रहीं हैं वहीं चूंकि ग्राम पंचायत की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण आबादी है और कृषि पर आधारित आबादी है ऐसे में शासन की कई योजनाओं से उनको लाभ मिलना बंद हो जाएगा जिसमें, भूमि समतलीकरण, डबरी निर्माण सहित अन्य बहोत सारी शासन की योजनाएं शामिल हैं।

ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाया जाए या नहीं हो सकती है ग्राम सभा

ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत बनाया जाए या नहीं इसको लेकर ग्राम सभा के आयोजन की भी चर्चा है। ग्राम सभा मे सभी का मत जानकर ही प्रस्ताव को समर्थन दिया जाएगा ऐसी भी चर्चा जारी है। अब ग्राम सभा मे कितना समर्थन नगर पंचायत को मिलता है कितना ग्राम पंचायत को यह ग्राम सभा मे ही तय होगा यह यदि ग्रामसभा हुई तब ही पता चल सकेगा।

ग्राम सभा हेतु मुनादी की हो रही मांग

ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत बनाया जाए या नहीं इसको लेकर जहां ग्रामसभा के आयोजन को लेकर चर्चा जारी है वहीं यदि ग्राम सभा अयोजित हो तो उसकी मुनादी कराई जाए यह भी मांग उठ रही है। ग्रामवासियों की मांग है कि मुनादी कराई जाए और अधिक से अधिक लोग ग्राम सभा मे शामिल होकर अपना अपना मत प्रकट कर सकें जिससे यह तय हो सके कि कितने लोग ग्राम पंचायत के पक्ष में हैं और कितने लोग नगर पंचायत के पक्ष में।

इधर मुख्यमंत्री ने पटना को नगर पंचायत का दर्जा देने की बात कही

उधर विरोध में हस्ताक्षरित सौंपा गया ज्ञापन

165 लोगों के हस्ताक्षर के साथ पटना को ग्राम पंचायत रहने दिए जाने की हुई मांग।
आखिर क्यों नगरपंचायत बनाये जाने को लेकर ग्रामीणों ने किया है विरोध दर्ज।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 04 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले के अपने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्राम पटना पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बैकुंठपुर विधायक की मांग पर जहां पटना ग्राम पंचायत को नगरपंचायत का दर्जा देने की घोषणा की वहीं अब इस घोषणा पर विरोध भी दर्ज हो रहा है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद जहां एक तरफ फटाखे फोड़कर कुछ ग्रामवासियों ने खुशियां मनाई वहीं कुछ ने मुख्यमंत्री से ज्ञापन सौंप कर नगरपंचायत का दर्जा नहीं देने की बात कहते हुए पटना को ग्राम पंचायत ही रहने दिए जाने की वकालत की। 165 लोगों ने हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री को ग्राम पटना को नगरपंचायत का दर्जा नहीं दिए जाने की मांग की और अपने ज्ञापन में इसबात का उल्लेख किया कि पटना ग्राम पंचायत पटना को ग्राम पंचायत ही रहने दिया जाए।

आखिर क्या है नगर पंचायत की घोषणा का विरोध करने वाले ग्रामीणों का कहना

पटना के जिन ग्रामीणों ने नगरपंचायत की घोषणा पर अपना विरोध मुख्यमंत्री के समक्ष दर्ज किया है उनका ज्ञापन में मुख्यमंत्री से कहना है कि पटना ग्राम की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण एवम खेती किसानी से आय अर्जित करने वाली आबादी है और नगरपंचायत बन जाने से ग्राम पंचायत अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं से ग्रामीण वंचित हो जाएंगे। ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि खेत समतलीकरण, डबरी निर्माण और अन्य शासन से मिलने वाली सुविधाओं से किसान तबका वंचित रह जायेगा वहीं अन्य कई शासकीय योजनाएं जो ग्राम पंचायत में मिलती हैं वह भी बंद हो जाएंगी जिससे ग्रामीणों को नुकसान होगा।

ज्ञापन में ग्राम पंचायत पटना में उपलब्ध सुविधाओं को भी बताया गया है

मुख्यमंत्री को नगरपंचायत की घोषणा वापस लिए जाने की मांग के संबंध में सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया है की ग्राम पटना में मूलभूत सुविधाओं को लेकर कोई समस्या ग्रामीणों को नहीं है और सड़क बिजली पानी की आपूर्ति बराबर घर घर हो रही है,पटना में दो दिवस साप्ताहिक बाजार भी संचालित होता है और बाजार में फर्शीकरण का काम भी पूरा हो चुका है कुल मिलाकर ग्राम पंचायत में सुविधाओं का आभाव बिल्कुल नहीं है यह ग्रामीणों का कहना है।

तहसील सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी है मौजूद ग्रामीणों ने बताया मुख्यमंत्री को

ग्रामीणों ने अपने सौंपे गए ज्ञापन में जिसमे उनके द्वारा ग्राम पंचायत पटना को नगरपंचायत बनाये जाने का विरोध किया गया उस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पटना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित तहसील कार्यालय भी उपलब्ध है और ऐसे में विकास की दृष्टि से पटना पिछड़ा बिल्कुल भी नहीं।

सर्व आदिवासी समाज के तत्वाधान में सौंपा गया ज्ञापन

जैसा कि बताया जा रहा है कि यह ज्ञापन सर्व आदिवासी समाज की तरफ से सौंपा गया। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को बैकुंठपुर में आदिवासी सम्मेलन के दौरान सौंपा गया और ग्राम पंचायत पटना को नगरपंचायत नहीं बनाए जाने की मांग की गई।

मुख्यमंत्री ने विधायक से पूछा आखिर विरोध क्यों हो रहा नगरपंचायत का

सूत्रों की माने तो जब ग्राम पटना को नगरपंचायत नहीं बनाए जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा जा रहा था तब मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय विधायक से पूछा कि आखिर विरोध क्यों हो रहा है,जबकि मैंने तो सबकी सहमति जानकर घोषणा की थी, मुख्यमंत्री के प्रश्न पर विधायक ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया ऐसा भी बताया जा रहा है।

ग्रामीणों ने कुछ ग्रामों को नगरपालिका से बाहर किये जाने का उदाहरण भी दिया

मुख्यमंत्री को सौंपें गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को इसबात से अवगत कराया कि बैकुंठपुर और शिवपुर चरचा नगरपालिका में पूर्व में कुछ ग्रामों को शामिल किया गया था बाद में उन ग्रामों को नगरपंचायत से बाहर किया गया जो ग्रामीणों के विरोध की ही वजह से हुआ था।

वर्षा ऋतु तक अतिक्रमण की कार्रवाई रुकवाने कलेक्ट्रेट पहुंची भाजपा

» छोटे झाड़ के जंगल पर वर्षों से काबिजो को आबादी घोषित कर पट्टा देने की रखी मांग
» पट्टा वितरण कर घोषणा पत्र में किए गए वादे पूर्ण करें सरकारःबाबूलाल अग्रवाल
» वर्षा ऋतु में गरीबों का आशियाना उजाड़ना न्यायोचित नहींःरामसेवक पैकरा
» भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। वर्षो से काबिज छोटे झाड़ के जंगल भूमि पर बने मकान तोड़ने से रोक लगाए जाने के विषय पर भाजपा प्रतिनिधी मंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।
गौरतलब है कि नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्र.14 सूरजपुर में न्यू सर्किट हाउस के आसपास शासकीय भूमि जो छोटे झाड़ का जंगल मद में दर्ज है जिस पर गरीब, निराश्रित व्यक्ति वर्षो से काबिज होकर उस पर छोटे-मोटे मकान बनाकर काफी पहले से परिवार सहित निवास करते हुए अपना गुजर बसर कर रहे है। इसके अलावा उनके पास कोई मकान रहने हेतु नहीं है। जिला प्रशासन की ओर से उपरोक्त मकानो को तोड़ने हेतु मकान मालिकों के पास नोटिस जारी किया गया है और उपरोक्त मकानो को तत्काल इस बरसात के मौसम में तोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। जो कि वर्तमान में बारिश प्रारंभ हो चुकी है बारिश के दिनो में प्रभावितों को कोई दूसरा आसरा भी नहीं है साथ ही पूर्व में राज्य सरकार की वन भूमि में पट्टा वितरण के संदर्भ में सर्वे किया जा चुका है। उक्त क्षेत्र में भी सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है एवं मुख्यमंत्री जी की घोषणा है कि सभी भूमिहीन परिवारो को अतिशीघ्र पट्टा वितरण किया जावेगा। इन सारे विषयों को दृष्टिगत रखते हुए बरसात के दिनों में इस कार्यवाही को तत्काल रोकना न्यायोचित होगा। अतः श्रीमान् से आग्रह है कि उक्त मकान तोड़े जाने की कार्यवाही को तत्काल रोकते हुए निराश्रितों को राहत दी जाए। जिस पर कलेक्टर ने नियमानुसार कार्यवाही करने की बात कही। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, भाजपा जिला अध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल, रामकृपाल साहु, थलेश्वर साहु, सत्यनारायण सिंह प्रदेश महामंत्री अजा मोर्चा, भुलन सिंह, श्रीमती पुष्पा सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनूप सिन्हा, भाजपा जिला महामंत्री राजेश महलवाला, मुरली सोनी, श्यामा पांडे, अशोक सिंह, रामानन्द जयसवाल, कौशल सिंह, शशिकांत गर्ग, मोहन शर्मा, राजेश्वर तिवारी, लालचंद कुर्रे, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी राजवाड़े, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रविंद्र भारती, अनिल चंद गुप्ता, रामरतन साहू, लोकेश पैकरा, अरुण राजवाड़े, गीता जायसवाल, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, अजय श्याम, सुरेंद्र राजवाड़े, नीलू गुप्ता, देवधन बिंदिया, मोहन शर्मा, मदन साहू, सुनील साहू, सुभाष राजवाड़े, मुकेश गर्ग, रामशिरोमणि साहु, सरोज साहू, अनिता मिश्रा, मंडल अध्यक्ष किशन देवांगन, भाजयुमो शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल, राजेश साहू सहित काफी संख्या में भाजपा भाजयुमो महिला मोर्चा के साथ-साथ विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने सोलर पैनल टूल्लू पम्प चोरी मामले में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। रविवार को कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि भैयाथान रोड़ में एक व्यक्ति चोरी का टूल्लू पम्प बिक्री करने हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर कल्लू उर्फ राहुल साहू पिता रामअवतार साहू उम्र 24 वर्ष निवासी साहूगली सूरजपुर को पकड़ा जिसके पास से 2 नग टूल्लू पम्प पाया गया जिसके संबंध में दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जो टूल्लू पम्प चोरी का होने के अंदेशा पर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही कर 2 नग टूल्लू पम्प कीमत 8 हजार रूपये को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने किया पदभार ग्रहण

-नगर संवाददाता-
कोरबा 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक कोरबा के रूप में आईपीएस संतोष सिंह द्वारा कार्यभार ग्रहण किया गया । कार्यभार ग्रहण के पश्चात जिले के समस्त थाना चौकी एवं सहायता केंद्र प्रभारियों का मीटिंग लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताई । मीटिंग की शुरुआत करते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा सभी का परिचय प्राप्त किया, फिर अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा की, जिले में अपराधिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किया जाए साथ ही जिले में पुलिसिंग दिखना चाहिए । पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए आगे कहा की, बेसिक पुलिसिंग साथ साथ कम्युनिटी पुलिसिंग के कार्य भी यथावत चलते रहेंगे ।

आईपीएस संतोष सिंह द्वारा नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा निजात अभियान कोरबा जिले में भी चलेगा । इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा , नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू , नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी , उप पुलिस अधीक्षक अजाक शिवचरण सिंह परिहार सहित जिले के सभी थाना ,चौकी ,सहायता केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे ।

कोरिया में सोमवार की सुबह भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए गए

जिसकी तीव्रता 4.3 रिएक्टर पर मापी गई है।
कोरिया में महसूस हुआ भूकंप के झटके,भूकंप के ये झटके 10 किलोमीटर की गहराई वाले थे।

-नगर संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले में सोमवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, संभाग मुख्यालय अंबिकापुर से 79 किलोमीटर दूर और कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से 16 किलोमीटर दूर पश्चिम-उत्तर दिशा में ये झटके महसूस किए गए है, हालांकि गनीमत थी कि भूकंप आने के बाद अब तक किसी बड़े नुकसान या अप्रिय घटना सामने नहीं आयी है, वैसे मौसम वैज्ञानिक इसे साधारण भूकंप की घटना बता रहे है।
सुबह 8:10 पर महसूस किए गए झटके- मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक आज सुबह 8:10 मिनट पर बैकुंठपुर से पश्चिम-उत्तर की दिशा में 16 किलोमीटर दूर छींद डाड भूकंप का केंद्र था. जिसका भौगोलिक निर्देशांक 23.26 उत्तरी आकांश और 82.44 पूर्वी देशांतर था. और भूकंप की तीव्रता 4.3 रिएक्टर मापी गई है. जबकि भूकंप के ये झटके 10 किलोमीटर की गहराई वाले थे. मौसम वैज्ञानिक अक्षय मोहन भट्ट ने बताया कि भूकंप की तीव्रता मोडरेट श्रेणी की थी. मतलब भूकंप हल्के उच्च तीव्रता का था. उन्होंने बताया कि इस श्रेणी का भूकंप से आंशिक क्षति का अंदेशा रहता है. जो मिट्टी के बने मकानों को नुकसान पहुंचा सकता है. लेकिन फिलहाल भूकंप वाले इलाके से किसी भी अप्रिय घटना या क्षति की सूचना नहीं आई है।

बीजेपी युवा मोर्चा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

-नगर संवाददाता-
खड़गवां 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की मंडल कार्यकारिणी की बैठक खडगवा में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक एवं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष जनार्दन साहू, भाजपा मंडल भाजयुमो अध्यक्ष रामप्रताप, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र राजवाड़े, भाजयुमो जिला महामंत्री शारदा गुप्ता, सुशील सिंह, मंडल महामंत्री रामलाल साहू, रमेश जायसवाल, अरुणोदय पांडे, सत्येंद्र साहू, विनोद सिंह, ओम शुक्ला सहित मंडल पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने युवा मोर्चा के लिए मैदानी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने युवा शक्ति को समाज की सबसे बड़ी शक्ति है, बताते हुए आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने राज्य का शोषण किया है समाज के बीच जाकर बड़े परिवर्तन के लिए तैयारी करें। समाज की ताकत आप है और बेहतर व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किए गए हैं। उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं को प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर संगठन कार्य करते हुए आगे बढ़ने को कहा। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी सत्येंद्र राजवाड़े ने मंडल के अंतर्गत हुए कार्यों की समीक्षा की तथा सभी पदाधिकारियों से उनके द्वारा निभाए गए दायित्वों की जानकारी ली भूतों में युवा मोर्चा की टीम बनाने का अभियान और तेज करने की कार्य योजना पर बात हुई साथ ही आगामी 9 अगस्त को रायपुर तुम्हें मुख्यमंत्री निवास का घेराव पर रणनीति बनाते हुए चर्चा की गई। जिला मंडल महामंत्री शारदा गुप्ता सुशील सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया शक्ति केंद्रीय स्तर पर बैठकों की रणनीति बनाई गई इसके बाद मंडल कार्यसमिति का समापन किया गया।

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने

हेल्पलाइन नंबर और सोशल मीडिया अकांउट संचालित

-नगर संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। साइबर अपराध के प्रति लागों को जागरूक करने के उद्देश्य से शासन द्वारा केन्द्रीय हेल्पलाईन नम्बर 1030 जारी किया गया है साथ ही सोशल मीडिया पर भी आम जन की मदद हेतु सोशल अकांउट संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें टिवटर पर साइबर दोस्त फेसबुक पर साइबर दोस्तआई4सी इंस्टाग्राम पर साइबर दोस्तआई4सी एवं टेलीग्राम पर साइबर दोस्तआई4सी चैनल शुरू किया गया है।

त्रिलोक बंसल ने पुलिस अधीक्षक का पदभार किया ग्रहण

-नगर संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 11 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल सिंह ठाकुर के स्थानतरण के बाद त्रिलोक बंसल को पूरे जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है, जिन्होंने सोमवार को कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण करते हुए, अच्छी पुलिसिंग का भरोसा लोगों को दिलाया है, पदभार ग्रहण करने के दौरान नए पुलिस अधीक्षक का भव्य स्वागत किया गया, पूरे दिन स्वागत का दौर जारी रहा, मंगलवार से पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल पूरे जिले की कमान संभालेंगे और पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करने का पूरा प्रयास करेंगे, पुलिस के अंदर चल रही

खामियों को भी अपने अनुभव से दूर करने का प्रयास करेंगे जनता के लिए पुलिस सुगम होगी यह भी उनका मुख्य उद्देश होगा।

जितेंद्र सिंह को शिक्षक छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन खड़गवां ब्लॉक का अध्यक्ष मनोनीत किया गया

-नगर संवाददाता-
खड़गवां 11 जुलाई 2022(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला एमसीबी के जिलाध्यक्ष आदरणीय उदय प्रताप सिंह जी के द्वारा विकासखंड खड़गवा में शिक्षक संघ की बैठक आहूत की गई, जिसमें सर्वसम्मति से श्री जितेंद्र सिंह शिक्षक को छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन का खड़गवां ब्लॉक का अध्यक्ष मनोनीत किया गया साथ ही खड़गवां ब्लॉक संयोजक श्री प्रमोद पांडे जी एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार गुप्ता जी को मनोनीत किया गया। इस बैठक में खड़गवां ब्लॉक के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के अलावा चिरमिरी इकाई पोड़ी इकाई एवं जनकपुर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी उपस्थित थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0-202207021700012/ ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जलालुद्दीन अंसारी आ0 स्व0 गुलाम ख्वाजा मोईनुद्दीन, निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 58/2 रकबा 0.109 हे0 भूमि की द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार राय आ0 स्व0 बलाई कृष्ण राय निवासी भगवानपुर फुदुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 471/2 में से रकबा 0.062 हे0 भूमि को अनावेदक नीधु सिंह पति अशोक कुमार सिंह निवासी मदननगर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 10,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27.07.2022 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 29/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202207020700006

विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2021-2022
केशवपुर प .ह.न. 00024 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-आशा सिंह,
अनावेदक पक्षकार- बुधदेव

ईश्तहार

आवेदक आशा सिंह पति स्व0 हरदेव सिंह व अन्य निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम केशवपुर स्थित कुल खसरा नंबर 13 कुल रकबा 2.166 हे0 भूमि का उभयपक्ष के मध्य खाता विभाजन किये जाने बावत आवेदन पेश किया गया है
उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08.08.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/07/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, सरगुजा (अम्बिकापुर)

10 मीटर एयर राइफल में अर्जुन बबूता ने जीता गोल्ड मेडल

नईदिल्ली,11 जुलाई 2022। युवा भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के चांगवोन में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में देश का पहला स्वर्ण पदक जीता। इस मुकाबलें में अर्जुन ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता लुकास कोजेनिस्की को एकतरफा 17-9 के अंतर से हराया। पंजाब के 23 वर्षीय जो साल 2016 से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, उन्होंने पहले रैंकिंग मैच में 261.1 अंकों के साथ स्वर्ण पदक के लिए क्वालीफाई किया था।

सीनियर टीम के लिए यह अर्जुन का पहला गोल्ड है। उन्होंने अजरबैजान के गबाला में साल 2016 जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। दूसरे भारतीय खिलाड़ी पार्थ मखीजा जिन्होंने रविवार को शानदार प्रदर्शन के बाद रैंकिंग स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया। वे 258.1 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे। 33 वर्षीय इजरायली निशानेबाज सर्गेई रिक्टर से पीछे है जिन्होंने 259.9 का स्कोर बनाया।

जल्द देखने को मिल सकती है भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों की भिड़ंत

नईदिल्ली,11 जुलाई 2022। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार ने बाकी दुनिया और भारत के बीच 22 अगस्त को क्रिकेट मैच आयोजित करने का प्रस्ताव भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की तरफ से यह प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय ने भेजा है और बीसीसीआई के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है ताकि शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ विदेशों के लोकप्रिय क्रिकेटरों को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के हिस्से के रूप में मैच खेलने की कोशिश की जा सके।

बीसीसीआई के सूत्रों ने कहा कि इस समय प्रस्ताव पर अभी भी चर्चा की जा रही है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सेवाओं की खरीद से जुड़े बहुत सारे ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक तत्व हैं। एक सूत्र ने कहा, हमें 22 अगस्त को भारत एकादश

और विश्व एकादश के बीच एक क्रिकेट मैच आयोजित करने के लिए सरकार से एक प्रस्ताव मिला है। शेष विश्व टीम के लिए हमें कम से कम 13-14 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी और उनकी उपलब्धता कुछ ऐसी है जो हमें जांच करने के लिए चाहिए।

उन्होंने कहा कि उस समय के दौरान, अंग्रेजी घरेलू क्रिकेट चल रहा होगा और कैरेबियन प्रीमियर लीग भी शुरू होगी। बीसीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उनकी भागीदारी के लिए आर्थिक रूप से मुआवजा देना होगा।

जहां तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों की सेवाओं का सवाल है, बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी आईसीसी वार्षिक सम्मेलन (22-26 जुलाई) के लिए बर्मिंघम में होंगे। जहां वे भारत में मैच के लिए अपने कुछ खिलाड़ियों को रिलीज करने के लिए अन्य बोर्ड के अधिकारियों से बात कर सकते हैं।

क्रॉसओवर मैच में स्पेन के खिलाफ हार के साथ भारत का विश्व कप में खिताब का सपना टूटा

टेरेसा,11 जुलाई 2022। भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार को यहां क्रॉसओवर मैच में कड़े मुकाबले में सहमेजबान स्पेन के खिलाफ 0-1 की शिकस्त के साथ एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में खिताब की दौड़ से बाहर हो गई। तीन क्वार्टर तक दोनों टीम के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन निर्धारित समय खत्म होने से सिर्फ तीन मिनट पहले मार्ता सेगु ने रिबाउंड पर गोल दागकर भारत को खिताब की दौड़ से बाहर कर दिया। पूरे टूर्नामेंट की तरह क्रॉसओवर मैच में भी भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत को स्पेन के तीन के मुकाबले चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इनमें से एक को भी गोल में नहीं बदल सकी।भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर आठवें मिनट में मिला लेकिन भारतीय खिलाड़ी स्पेन के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीम के खेल में हिचकिचाहट दिखी और दोनों टीम ने इस दौरान गलतियां की। इस दौरान गोल करने के काफी कम मौके बने। स्पेन ने इसके बाद दबदबा बनाने का प्रयास किया और भारत की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया।

भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने इस बीच कुछ अच्छे बचाव किए। उन्होंने पहले पेनल्टी कॉर्नर पर शेंटल जाइन के प्रयास को नाकाम किया और फिर रिबाउंड पर इसी खिलाड़ी के प्रयास को विफल किया। इसके बाद उन्होंने रिबाउंड पर बेगोना गार्सिया के शॉट को भी गोल में जाने से रोका। कुछ सेकेंड बाद भारत को अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन पहले स्पेन की गोलकीपर मेलानी गार्सिया ने मोनिका के शॉट को रोका और फिर लूसिया जिमेनेज ने रिबाउंड पर खतरे को टाला।

भारत को इसके बाद बढ़त बनाने का मौका मिला लेकिन सलीमा टेटे के शानदार मूव पर मिली गेंद को वंदना कटारिया ने गोल के ऊपर से बाहर मार दिया।

मध्यांतर तक दोनों टीम गोल रहित बराबरी पर थी।भारत ने तीसरे क्वार्टर में सकारात्मक शुरुआत की लेकिन टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई।चौथे और अंतिम क्वार्टर में दोनों टीम को शुरुआत में ही मौके मिले। स्पेन की सारा बारियोस को गोलमुख के सामने सिर्फ सविता को छकाना था लेकिन वह ऐसा करने में नाकाम रहीं। स्पेन की रक्षापंक्ति ने इसके बाद भारत के प्रयास को विफल किया।

जिमेनेज को एक बार फिर गोल करने का मौका मिला लेकिन एक बार फिर सविता उनके सामने दीवार बनकर खड़ी थी।मोनिका ने कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली।सेगु ने इसके बाद निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले स्पेन को बढ़त दिलाई। क्लारा वाईकार्ट के शॉट को सविता ने रोका दिया लेकिन रिबाउंड पर सेगु ने गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

स्पेन के लिए अंतिम कुछ मिनट काफी दबाव वाले रहे। गार्सिया को पीला कार्ड और सेगु को हरा कार्ड दिखाया गया जिससे टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।दो खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद भारतीय टीम मौके का फायदा उठाकर गोल करने में नाकाम रही और पदक की दौड़ से बाहर हो गई। भारत अब मंगलवार को यहां नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मुकाबले में कनाडा से भिड़ेगा।क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड का सामना जर्मनी, सहमेजबान नीदरलैंड का बेल्जियम, आस्ट्रेलिया का स्पेन और इंग्लैंड का अर्जेन्टीना से होगा।

रोहित शर्मा ने किया कोहली का समर्थन, कपिल देव के बयान पर दिया यह जवाब

नईदिल्ली,11 जुलाई 2022। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में उनके बल्ले से रन नहीं बन रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें अब आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सवाल तो यह भी उठ रहे हैं कि विराट कोहली को प्लेइंग इलेवन में रखा जाए या नहीं। विराट कोहली को लेकर पूर्व क्रिकेटर भी सवाल उठाने लगे हैं। इन सब के बीच टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली का समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बाहर क्या चर्चा चल रही है, इसको लेकर हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एक्सपोर्ट लोग कौन हैं, इन्हें क्यों एक्सपोर्ट बोला जाता है। वह बाहर से कम देख रहे हैं। उनको कुछ पता नहीं है कि अंदर क्या चल रहा है।

इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने तो यह भी कह दिया कि हम एक प्रक्रिया का पालन करते हैं और उसी के आधार पर टीम तैयार करते हैं। काफी कुछ सोच समझ कर फैसला लिया जाता है। बाहर के लोगों को यह पता नहीं रहता। उन्होंने कहा कि बाहर क्या होता है, यह हमारे लिए जरूरी नहीं है। हमारे लिए जरूरी है कि टीम में क्या हो रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि खिलाड़ी का फॉर्म ऊपर-नीचे होता रहता है। लेकिन खिलाड़ी की क्वालिटी कभी खराब नहीं होती। रोहित शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि खिलाड़ी अपने सालों से बेहतरीन प्रदर्शन करता रहा है और एक दो सीरीज उसके अच्छे नहीं जाने पर उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। टीम के अंदर हम हैं और हमें पता है कि उस खिलाड़ी की कितनी अहमियत है।

कपिल का बयान

भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि अगर रविचंद्रन अश्विन जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज को टेस्ट टीम की अंतिम एकादश से बाहर किया जा सकता है, तो लंबे समय से लय के लिए जूझ रहे विराट कोहली को भी टी20 टीम से बाहर करना बड़ा मसला नहीं होना चाहिये। कोहली लगभग तीन साल से बड़ी पारी खेलने के लिए जूझ रहे हैं। भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने वाले इस हरफनमौला कप्तान का मानना है कि अगर भारतीय टीम प्रबंधन शानदार लय में चल रहे खिलाड़ियों को अपने कौशल के प्रदर्शन के लिए पर्याप्त अवसर नहीं देगा तो यह उनके साथ नाइंसाफी होगी। कपिल ने कहा कि मैं चाहता हूं कि कोहली रन बनाये लेकिन इस समय विराट कोहली उस तरह से नहीं खेल रहे है जिनको हम जानते है। उन्होंने अपने प्रदर्शन के दम पर अपना नाम बनाया है ।

खत्म हो सकता है टी20 करियर

नईदिल्ली,11 जुलाई 2022। भारतीय क्रिकेट टीम में एक ऐसा खिलाड़ी है, जो मनीष पांडे की तरह इंटरनेशनल क्रिकेट में खुद को मिल रहे अहम मौकों को बर्बाद कर रहा है. इस खिलाड़ी का टी20 करियर अब खतरे में है. भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज के खत्म होने के साथ ही अब इस खिलाड़ी का टी20 करियर भी खत्म होता नजर आ रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ इस स्टार भारतीय प्लेयर ने बहुत ही खराब खेल दिखाया. ये प्लेयर रन बनाने के लिए जूझ रहा था. ऐसे में इस खिलाड़ी के करियर पर खतरा मंडरा रहा है.

इंग्लैंड के खिलाफ श्रेयस अय्यर बुरी तरह से फ्लॉप हुए. वह रन बनान के संघर्ष करते हुए दिखाई दिए. वह रन बनाना तो दूर क्रीज पर टिकने के लिए तरस रहे थे. इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों पर 28 रनों की धीमी पारी खेली. टी20 क्रिकेट में ऐसी धीमी पारी के लिए श्रेयस अय्यर की काफी आलोचना हो रही है. श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में नंबर 5 पर बैटिंग करने का मौका मिला, लेकिन वह मौके को भुना नहीं पाए

अब कभी नहीं मिलेगा टी20 टीम में मौका!

भारत टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी में हैं, ऐसे में टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर बिल्कुल तय नजर आ रहा है. रोहित शर्मा(कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल. टी20 वर्ल्ड कप के लिए ये भारत की आदर्श प्लेइंग इलेवन हो सकती है. इस प्लेइंग इलेवन में श्रेयर अय्यर की जगह तो नहीं बनती. श्रेयर अय्यर ने आखिरी 6 टी20 मैचों में 36, 40, 14, 4, 0, 28 रन बनाए हैं. इस घटिया प्रदर्शन के साथ वह टीम इंडिया की इस प्लेइंग इलेवन में फिट नहीं बैठते.

मनीष पांडे से क्यों हो रही श्रेयस अय्यर की तुलना?

आपको बता दें कि एक वक्त पर मनीष पांडे को टीम इंडिया का भविष्य माना जाता था. मनीष पांडे ने टीम इंडिया के लिए शानदार डेब्यू किया था. उन्होंने साल 2015 में जिंबाब्वे के खिलाफ 86 गेंदों पर 71 रन बनाए थे. इसके बाद अगले ही साल उन्होंने सिडनी में 81 गेंदों पर 104 रन बनाए और टीम की जीत पक्की की. लेकिन इसके बाद वो टीम इंडिया से लगातार अंदर बाहर होते रहे. इंजरी ने भी उनसे कई बड़े मौके छीने. शानदार शुरुआत को वो बड़े करियर में तब्दील नहीं कर सके. श्रेयस अय्यर भी अब मनीष पांडे की राह पर जा रहे हैं.

गॉडफादर के पोस्टर में दिखे चिरंजीवी

आचार्य की विफलता के बाद तेलुगू मेगास्टार चिरंजीवी के प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें उनकी आगामी फिल्म गॉडफादर से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म के निर्माता ने प्रशंसकों को पहले बैक-टू-बैक अपडेट दिया। उन्होंने सोमवार को एक शानदार फर्स्ट-लुक पोस्टर का अनावरण किया। अभिनेता ने सुनील चिरंजीवी को बधाई दी, जिन्होंने एक तेज काले रंग की पोशाक पहनी हुई थी। पार्श्व संगीत चिरंजीवी के कार से बाहर निकलने पर उनका जोरदार स्वागत किया जाता है।

मोहन राजा द्वारा निर्देशित, फिल्म के कलाकारों में मुख्य अभिनेत्री के रूप में नयनतारा शामिल हैं। फिल्म में सलमान खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुने गए अन्य बहुमुखी अभिनेताओं के बारे में बताते हुए, निर्माताओं ने कहा कि वे सत्य देव को एक ऐसी भूमिका में दिखाएंगे, जो निगेटिव भूमिका में होंगे।

हालांकि यह व्यापक रूप से सफल मलयालम फिल्म लूसिफेर का आधिकारिक रीमेक है, निर्माताओं ने एक कहानी बनाने का वादा किया है जो चिरंजीवी को ठीक उसी तरह चित्रित करती है जैसे उनके प्रशंसक उन्हें बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। कोनिडेला प्रोडक्शन कंपनी और सुपर गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में मशहूर संगीतकार थमन का संगीत होगा।

पोन्नियिन सेलवन से ऐश्वर्या राय का लुक आया सामने

निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में ऐश्वर्या राय का लुक निर्माताओं ने जारी कर दिया है। इससे पहले इस बहुचर्चित फिल्म से आदित्य करिकालन के रूप में विक्रम का लुक जारी किया गया था। मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज के साथ फिल्म का निर्माण कर रही लाइका प्रोडक्शंस ने फिल्म में ऐश्वर्या राय की पहली तस्वीर को ट्वीट किया और कहा, प्रतिशोध का एक सुंदर चेहरा है! पझुवूर की रानी नंदिनी से मिलें !फिल्म जिसका पहला भाग इस साल 30 सितंबर को रिलीज होगा, पांच भाषाओं तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

यह फिल्म प्रसिद्ध लेखक कल्कि के क्लासिक तमिल उपन्यास पोन्नियिन सेलवन पर आधारित है। मणिरत्नम द्वारा अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाली यह फिल्म देश में अब तक की सबसे महंगी परियोजनाओं में से एक होगी। फिल्म में अपने प्रत्येक विभाग के लिए बेहतरीन बिजनेस हैंडलिंग है। ए आर रहमान इस महाकाव्य ऐतिहासिक के लिए संगीत दे रहे हैं और छायांकन रवि वर्मन द्वारा किया गया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कला निर्देशक थोट्टा थरानी प्रोडक्शन डिजाइन के प्रभारी हैं जबकि मणिरत्नम के विश्वसनीय संपादक श्रीकर प्रसाद संपादक हैं।

धनुष फेम कैप्टन मिलर की घोषणा ने बनाया नया रिकॉर्ड

साउथ सुपरस्टार धनुष स्टारर कैप्टन मिलर के आधिकारिक घोषणा वीडियो ने केवल 24 घंटों में 5.5 मिलियन से अधिक संचयी दृश्य प्राप्त करने वाला पहला घोषणा वीडियो बनकर तमिल सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म निर्माता अरुण मथेश्वरन द्वारा निर्देशित, पीरियड फिल्म में अभिनेता धनुष मुख्य भूमिका में हैं।

सत्य ज्योति फिल्म्स के टीजी त्यागराजन द्वारा प्रस्तुत और सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं। जारी किए गए घोषणा वीडियो के विचार सोमवार को बढ़कर 11 मिलियन से अधिक हो गए, जिसमें 66,000 से अधिक लोगों ने इसे अंगूठा दिखाया। फिल्म में जी.वी. प्रकाश कुमार।

छायांकन श्रेयस कृष्णा द्वारा किया गया है और संवाद मदन कार्की द्वारा हैं। बड़े पैमाने पर बनी यह फिल्म 1930-40 के दशक की पृष्ठभूमि पर बनी एक पीरियड फिल्म है और इसे तमिल, तेलुगू और हिंदी में एक साथ रिलीज किया जाएगा।

तारक मेहता में दयाबेन बनकर एंट्री करेंगी ऐश्वर्या सखुजा?

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन का किरदार निभाकर अभिनेत्री दिशा वकानी ने अपार शोहरत बटोरी। अक्सर शो में दिशा की वापसी की खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। दिशा हाल में दूसरी बार मां बनी हैं और उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया है। अब चर्चाओं का बाजार गर्म है कि मेकर्स ने दयाबेन के कैरेक्टर को वापस लाने का मन बना लिया है। खबरों की मानें तो अभिनेत्री ऐश्वर्या सखुजा शो में दयाबेन की जगह ले सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, तारक मेहता में दयाबेन के किरदार के लिए अभिनेत्री सखुजा के नाम पर विचार किया गया है। एक सूत्र ने कहा, सखुजा उन अभिनेत्रियों में से एक थीं, जिन्हें दयाबेन के किरदार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। उन्होंने जाहिर तौर पर लुक टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। मेकर्स को एक ऐसी अभिनेत्री की तलाश थी, जो दयाबेन के किरदार को सहजता से अदा कर सके।

सूत्र ने बताया कि मेकर्स को लगता है कि इस किरदार के लिए सखुजा मुफीद हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ही इस शो को साइन कर लेंगी। हालांकि, इस संबंध में मेकर्स ने कोई घोषणा नहीं की है। जब न्यूज पोर्टल ने सखुजा से संपर्क करने की कोशिश की, तो उनकी तरफ से कोई टिप्पणी नहीं आई। हाल में शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने बताया था कि वह शो में दयाबेन के कैरेक्टर को वापस लेकर आएंगे।

सखुजा का जन्म तमिलनाडु के वेलिंग्टन शहर में हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से अपना ग्रेजुएशन पूरा किया। सखुजा ने 2010 में रिश्ता डॉट कॉम से टीवी पर बतौर अभिनेत्री अपना डेब्यू किया था। फिर 2011 में आई फिल्म यू आर माय जान में वह रोमांटिक अंदाज में नजर आई थीं। उन्हें ये हैं चाहतें, साराभाई वर्सेज साराभाई और सास बिना ससुराल जैसे शोज में देखा गया है। इंस्टाग्राम पर वह अपने फैंस से रूबरू होती रहती हैं।

दयाबेन के अलावा भी शो के कई किरदारों को वापस लाने की तैयारी चल रही है। हाल ही में निर्माताओं ने अभिनेता किरण भट्ट को नए नट्टू काका के रूप में दर्शकों के समक्ष पेश किया। बता दें कि नट्टू काका का किरदार निभाने वाले अभिनेता घनश्याम नायक का निधन पिछले साल ही हो गया था। कैंसर के कारण वह इस दुनिया को अलविदा कह गए। मेकर्स को शैलेश लोढ़ा और राज अनादकट के किरदारों को भी वापस लाना होगा।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा सोनी सब चैनल पर प्रसारित होने वाला एक लोकप्रिय शो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अपहृत बैगा की हत्या,जंगल में जमीन अंदर मिली लाश

जांजगीर-चाम्पा, 11 जुलाई 2022। अंधविश्वास और लालच की जड़ें हमारे समाज में इतनी गहराई तक पहुंच गई हैं कि इनसे उबरना बहुत कठिन जान पड़ने लगा है। ऐसे ही एक मामले में पंद लालची लोगों ने अंधविश्वास के वशीभूत होकर एक बुजुर्ग पुजारी यानी बैगा की जान ले ली।

बदमाशों को कहीं से पता चला था कि बैगा बाबूलाल यादव के पास पारस पत्थर है, जिसे वह घर में ही कहीं गाड़कर रखा है। इसी के चलते पारस पत्थर की चाह में बदमाशों ने 8 जुलाई को बैगा का अपहरण कर लिया था। पहले तो बदमाशों ने बैग के घर में घुसकर पारस पत्थर को तलाशा, नहीं मिलने पर बैगा के घर को खोदकर देखा। उसके बाद भी पारस पत्थर नहीं मिला तो बैगा बाबूलाल यादव को उठाकर ले गए और उसकी जान ले ली। जांजगीर थाना क्षेत्र के मुनुंद गांव के बैगा की लाश आज बलौदा थाना क्षेत्र के कटरा के जंगलों में मिली है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने हत्या कर जंगल में दफन कर दी थी बैगा की लाश। जांजगीर कोतवाली पुलिस अब कुछ संदेहियों को पकड़कर पूछताछ कर रही पुलिस।

बच्चे की ज़िद ने घर वालों को भी बना डाला पर्यावरण प्रेमी

बिलासपुर, 11 जुलाई 2022। मात्र छह साल के अद्विक मिश्रा को पौधरोपण का जुनून सवार है। जिस उम्र में बच्चे खेल खिलौनों की ज़िद करते हैं अद्विक ने अपने घर वालों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित कर सकारात्मक मिसाल पेश की है। घर के आसपास जहां कहीं भी पौधरोपण होता है अद्विक की उपस्थिति आम बात है। जरहाभाठा निवासी दीपक और शीला मिश्रा का सुपुत्र अद्विक बचपन से ही पर्यावरण के प्रति शौकीन रहा है। उसकी माता शीला बताती हैं कि बचपन में ही घिसटते अद्विक बाग बगीचे के पास चला जाता था और घण्टों पेड़ पौधों को निहारा करता था।

खेल खिलौनों में उसकी कतई दिलचस्पी नहीं रही और घर वालों को भी साथ जाने की ज़िद करने लगा। यही कारण है कि उसका परिवार पर्यावरण के प्रति बेहद गम्भीर है। अद्विक घर वालों से ज़िद करता है।

राज्यपाल ने किए अनधिकृत विकास का नियमितिकरण विधेयक पर हस्ताक्षर

रायपुर। राज्यपाल अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितिकरण अधिनियम 2002 (क्र. 21 सन् 2002) में संशोधन के लिए प्रस्तुत विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितिकरण (संशोधन) विधेयक 2022 के अनुसार छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितिकरण अधिनियम 2002 (क्र. 21 सन् 2002) की धारा 04 की उपधारा (2) के खण्ड (पांच), मूल अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) में, मूल अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1), मूल अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (2) तथा मूल अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) में संशोधन किया गया है।

विधेयक में छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितिकरण अधिनियम 2002 के मूल अधिनियम की धारा 04 की उपधारा (2) के खण्ड (पांच) को प्रतिस्थापित करके नगर तथा ग्राम निवेश विभाग का जिले का प्रभारी अधिकारी/संयुक्त संचालक/ उपसंचालक/ सहायक संचालक किया गया है। अधिनियम के खण्ड(चार)(क) में निर्धारित प्रयोजन से भिन्न भूमि के उपयोग परिवर्तन करने पर उस क्षेत्र की भूमि के लिए वर्तमान में प्रचलित कलेक्टर गाईड लाईन दर का 5 प्रतिशत अतिरिक्त शास्ति लगाने का प्रावधान किया गया है। अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि यदि अनधिकृत विकास निर्धारित पार्किंग हेतु आरक्षित भूखण्ड / स्थल पर किया गया हो, तो नियमितिकरण की अनुमति तभी दी जायेगी, जब आवेदक द्वारा पार्किंग की कमी हेतु निर्धारित अतिरिक्त शारित राशि का भुगतान कर दिया गया हो। अधिनियम में कहा गया है कि दिनांक 01.01.2011 के पूर्व अस्तित्व में आये ऐसे अनधिकृत विकास/निर्माण, जिनकी भवन अनुज्ञा/विकास अनुज्ञा स्वीकृति हो, अथवा ऐसे अनधिकृत भवन, जिसके लिए संबंधित स्थानीय निकाय में शासन द्वारा निर्धारित दर से संपत्ति कर का भुगतान किया जा रहा हो, ऐसे भवनों में, यदि छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 अथवा संबंधित नगर के विकास योजना के अनुरूप पार्किंग उपलब्ध नहीं है, तो पार्किंग हेतु निम्नानुसार अतिरिक्त शास्ति राशि दिये जाने पर, भवन का नियमितिकरण इस प्रकार किया जा सकेगा कि पार्किंग में 25 प्रतिशत कमी होने पर प्रत्येक कार स्थान हेतु पचास हजार रूपये, 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक प्रत्येक कार स्थान हेतु एक लाख रूपये,50 प्रतिशत से अधिक एवं 100 प्रतिशत तक प्रत्येक कार स्थान हेतु दो लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार दिनांक 01.01.2011 अथवा उसके पश्चात् अस्तित्व में आये ऐसे अनधिकृत विकास / निर्माण, जिनकी भवन अनुज्ञा/विकास अनुज्ञा स्वीकृति हो, अथवा ऐसे अनधिकृत भवन, जिनके लिए संबंधित स्थानीय निकाय में शासन द्वारा निर्धारित दर से संपत्ति कर का भुगतान किया जा रहा हो, ऐसे भवनों में, यदि छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियग, 1984 अथवा संबंधित नगर के विकास योजना के अनुरूप पार्किंग उपलब्ध नहीं है, तो पार्किंग हेतु अतिरिक्त शास्ति राशि दिये जाने पर, भवन का नियमितिकरण इस प्रकार किया जा सकेगा कि पार्किंग में 25 प्रतिशत तक कमी होने पर प्रत्येक कार स्थान हेतु पचास हजार रूपये, 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक प्रत्येक कार स्थान हेतु एक लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ की विभूतियों के नाम पर भाजपा को आपत्ति क्यों:धनंजय

रायपुर , 11 जुलाई 2022। राज्य सरकार के द्वारा चौक चौराहों सड़को का नामकरण छत्तीसगढ़ के महान विभूतियों के नाम से करने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन सिंह और भाजपा इस गुमान में मत रहे कि 2023 में जनता उनको चुनेगी। रमन भाजपा के 15 साल के कुशासन और भ्रष्टाचार किसानों पर अत्याचार आदिवासी वर्ग का शोषण छत्तीसगढ़ की जनता भूली नहीं है और आने वाला 20-25 साल तक छत्तीसगढ़ में कमल का नाम लेने वाला कोई नहीं रहेगा।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी सहित पूर्व प्रधानमंत्रियों के नाम से चल रही योजनाओं एवं सड़कों जलाशय स्टेडियम चौक चौराहों का नाम बदलने वाली भाजपा आज किस मुहँ से नैतिकता की बात कर रही है। मोदी सरकार का 8 साल के कार्यकाल को उठाकर रमन सिंह देख ले पूर्व सरकार की योजनाओं का धरोहरों का नाम बदलकर ही मोदी सरकार 8 साल काट चुकी है। विकास के नाम पर मोदी सरकार की उपलब्धि शून्य मात्र है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार राज्य के अस्मिता स्वाभिमान के लिए काम कर रही है। पूर्व की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के विभूतियों का सम्मान नहीं किया है। छत्तीसगढ़ की राज गीत भी कांग्रेस शासनकाल में बना है। छत्तीसगढ़ के बोली भाषा तीज त्यौहार परंपरा रहन-सहन खानपान को सर्वोच्च स्थान भी वर्तमान सरकार के समय मिला है। और छत्तीसगढ़ के चौक चौराहों सड़कों का नाम छत्तीसगढ़ के महान विभूतियों के नाम से किया जाएगा।

सोसायटी पंजीकरण प्रकरणों की सुनवाई में शामिल हुए उद्योग मंत्री लखमा

रायपुर, 11 जुलाई 2022। उद्योग एवं वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री श्री कवासी लखमा द्वारा आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के विभिन्न सामाजिक शैक्षिक एवं अन्य संस्थाओं के पंजीयन संबंधित प्रकरणों में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत करीब 11 प्रकरणों में सुनवाई की गई। श्री लखमा ने अपील प्रकरणों की सुनवाई करते हुए संस्थाओं की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर विवादों के समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

होनहार बच्चों का कब्जा,नवोदय विद्यालय में हुए चयनित

राजनांदगांव, 11 जुलाई 2022। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा कक्षा छठवीं का परिणाम घोषित किया जा चुका है। जिले में संचालित एकमात्र नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में 20 सीट शहरी तथा 60 सीट ग्रामीण क्षेत्र के लिए आरक्षित है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी अलग पहचान रखने वाले मोहला ब्लॉक ने, पुनः जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा कक्षा छठवीं में अच्छा परिणाम देकर जिले को गौरवान्वित किया है। आदिवासी बहुल क्षेत्र वनांचल मोहला में कुल 12 बच्चों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। विकास खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार देवांगन द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार मोहला के 12 विद्यार्थी नोमिता ठाकुर, भूपेश पाटील तेंदुटोला, साहिल नेताम रेंगाकठेरा, भूमिका कोर्चे, आशुतोष आर्य बम्हनी, गजाधर भूआर्य, हिमांशु विश्वकर्मा, मधुलिका टिंबुर्रकर, कर्तव्य देवांगन, जिग्यानश वर्मा मोहला, आयुष भूआर्य, अमित कुमार इन 12 बच्चों का चयन कक्षा छठवीं के लिए हुआ है। अकेले स्वामी आत्मानंद विद्यालय मोहला से 4 बच्चे का चयन हुआ है। जिसमें प्राचार्य सईद कुरैशी का विशेष योगदान रहा है।

ज्ञात हो कि मोहला में जिला खनिज न्यास के आर्थिक सहयोग से शिखर निशुल्क कोचिंग का संचालन संकुल शैक्षिक समन्वयको व शिक्षकों द्वारा किया जाता है। मोहला के सभी 34 संकुल केंद्रों में, अवकाश के दिनों में, पांचवी स्तर की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती थी। जिसका सुखद परिणाम 12 बच्चों के चयन के साथ आया है। पूर्व में एकलव्य विद्यालय के लिए 70 बच्चों का रिकॉर्ड चयन हुआ था। इसी प्रकार मोहला में अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के कारण बच्चे अग्रणी रहते हैं। विकास खंड शिक्षा अधिकारी देवांगन ने उन सभी उपलब्धियों का श्रेय संकुल शैक्षिक समन्वयक एवं शिक्षकों को दिया है जो अध्यापन समय के पश्चात् भी अतिरिक्त समय में बच्चों को निशुल्क कोचिंग देते हैं। मोहला में आदिवासी बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए संचालित शिखर कोचिंग में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक खोमलाल वर्मा, सभी संकुल शैक्षिक समन्वयक व शिक्षक एवं समाजसेवी संजय जैन का विशेष योगदान रहा है। एसडीएम ललितादित्य नीलम के मार्गदर्शन में निशुल्क कोचिंग को नई दिशा मिली है।

राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में फैलता संचार नेटवर्क

रायपुर, 11 जुलाई 2022। राज्य के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में भी अब तेजी से संचार नेटवर्क की सुविधा विस्तारित होने लगी है। शासन द्वारा वनांचल के दुर्गम, पहुंच विहीन, संवेदनशील स्थानों पर सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि के माध्यम से संचार सेवा को दुरुस्त एवं विस्तारित किया जा रहा है, जहां नेटवर्क नहीं है, वहां नए मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं और मोबाइल नेटवर्क को अपग्रेड करने का भी काम किया जा रहा है। जिससे कोई भी व्यक्ति इंटरनेट सुविधा से अछूता न रह सके।

वर्तमान में संचार माध्यम की आवश्यकता हर किसी को है। मोबाइल और इंटरनेट आज लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। सुकमा जिले में प्रशासन द्वारा संचार सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण का काम तेजी से कराया जा रहा है। सुकमा में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां वर्षों से मोबाइल नेटवर्क नहीं था। जिससे यहां रहने वाले ग्रामीणजन देश-दुनिया की तरक्की से अनजान थे। उन्हें मोबाइल फोन स्मार्टफोन के बारे में पता ही नहीं था। ऑनलाइन लेन-देन तो दूर की बात है। नई पीढ़ी के युवाओं का वास्ता स्मार्ट फोन से तो रहा, पर अच्छे नेटवर्क और सिगनल के अभाव में वह इंटरनेट की दुनिया से परिचित नही रहे।

आज परिस्थितियां बदल रही है। शासन के निर्देश पर सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि द्वारा जिले में संचार व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जिले के ऐसे क्षेत्र जहां किसी भी नेटवर्क की पंहुच नही है, उनका सर्वे कार्य कर वहां मोबाइल टावर स्थापित किए जा रहे हैं। पिछले एक माह के भीतर ही जिले में चार स्थानों पर मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं। जिसमें तीन टावर जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में लगे हैं। कोण्टा विकासखण्ड के मिनपा एवं एल्मागुण्डा में मोबाइल टॉवर स्थापित किए गए हैं।

सुकमा जिले के छिन्दगढ़ विकासखण्ड के कुमाकोलेंग में मोबाइल टॉवर स्थापित होने से ग्रामीणों में उत्साह है। वहीं सुकमा विकासखण्ड के गीदमनाला में मोबाइल टॉवर लगने से सूचनाओं के आदान-प्रदान अब सहज हो गया है। ग्रामीण जनों में उत्साह देखने को मिल रहा है। उनका कहना है कि पहले अपनों से बात करने के लिए, एंबुलेंस बुलाने या आपातकालीन स्थिति में कई बार पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता था या कई किलोमीटर सफर करना पड़ता था तब बड़ी मुश्किल से बात हो पाती थी। मोबाइल टावर लगाए जाने से उन्हें सुविधा हुई है। जिले में संचार व्यवस्था के विस्तार के लिए नो नेटवर्क क्षेत्रों का सर्वे कार्य किया जा रहा है। जिसमें सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि द्वारा प्रथम चरण में 42 मोबाइल टॉवर लगाएं जा रहे है।

शिवनाथ नदी में डूबे छात्र का शव बरामद

दुर्ग, 11 जुलाई 2022। जिले में शिवनाथ नदी महमरा घाट में रविवार को घूमने आये तुषार का पैर फिसलने से नदी में गिर गया था । जिसका शव आज एनीकट से लगभग 3 किलोमीटर आगे रेलवे क्रॉसिंग के पास मिला। शिवनाथ नदी महमरा घाट में रविवार को धूमने आए तुषार और उसके 4 दोस्त पैर फिसलने से गिर गए थे, 4 दोस्तो को तो गोताखोर की मदद से सुरक्षित बाहर निकल ले गया था।

वहीं तुषार लापता था, जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी, वहीं आज सोमवार की दोपहर को नदी से तुषार का शव प्राप्त हुआ है। तुषार को देखने परिवार सहित आस-पड़ोस के लोग सुबह से ही एनीकट पहुंच रहे थे, जिसकी खोजबीन कल से जारी थी। जिसमें एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार सर्च कर रही थी। नदी में पानी अधिक होने के कारण खोजबीन में काफी दिक्कतें आ रही थी। उसके बावजूद भी 4 बोर्ड के सहारे से एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार सर्च कर रहे थे और आखिर उन्हें तुषार के शव को ढूंढने में सफलता मिल ही गई। जो कि एनीकट से 3 किलोमीटर आगे मोहलई रेलवे क्रॉसिंग के पास मिला।

सप्तगिरी उल्का का दौरा

रायपुर, 11 जुलाई 2022। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सप्तगिरी शंकर उल्का 12 जुलाई मंगलवार को प्रातः 7.45 बजे रायगड़ा, ओडिसा से रायपुर पहुंचकर सर्किट हाउस के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे राजीव भवन रायपुर में जिला एवं ब्लाक निर्वाचन अधिकारियों एवं प्रदेश कार्यकारिणी तथा जिला अध्यक्षों की बैठक में भाग लेंगे। शाम 4 बजे रायपुर से रायगड़ा ओडिसा के लिये रवाना होंगे।

5-5 लाख की इनामी हार्डकोर नक्सली दंपति ने किया सरेंडर

सुकमा, 11 जुलाई 2022। सुंदरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज जगदलपुर, योज्ञा सिंह उप पुलिस महानिरीक्षक (सीआरपीएफ) परिचालन सुकमा, कमलोचन कश्यप, उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ रेंज के मार्गदर्शन व सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक, किरन चव्हाण अति. पुलिस अधीक्षक नक्स. ऑप्स सुकमा, के निर्देशन में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान तथा छत्तीसगढ़ शासन की ÷पुनर्वास नीति÷ ¬प्रचार-प्रसार एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ÷पूना नर्कोम अभियान (नई सुबह, नई शुरुवात) से प्रभावि होकर नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों द्वाभेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन ¬ के0के0बी0एन. डिवीजन (कंधमाल, कालाहांडी, बौद्ध, नयागढ़) में कार्यरत नक्सली दंपति मडकम हिड़मा निवासी जित बीजापुर क्षेत्र एवं कुराम हुंगी निवासी ने आज पुलिस अधीक्ष कार्यालय में पुलिस अधीक्षक सुकमा सुनील शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा ओम चंदेल के सम बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया हैं।

राज्य आपदा मोचन निधि की कार्यपालिक समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर, 11 जुलाई 2022। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य आपदा मोचन निधि के संचालन हेतु गठित कार्यपालिक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से पुल-पुलिया एवं स्टापडेम निर्माण हेतु प्रस्ताव के संबंध में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी और वन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक कर आवश्यक परीक्षण के उपरांत कार्यों को प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आरबीसी 6-4 के तहत विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित लोगों को आर्थिक अनुदान सहायता हेतु 181 करोड़ 20 लाख रूपए, गरियाबंद जिले को बेमौसम बरसात एवं ओलावृष्टि से फसल क्षति हेतु तीन करोड़ 49 लाख 48 हजार रूपए और बालोद जिले को 13 करोड़ 29 लाख के कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। इसी तरह से कोविड-19 से मृत व्यक्तियों के आश्रितों को आर्थिक अनुदान सहायता हेतु 11 करोड़ 93 लाख रूपए की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में गृह एवं उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुवा, राजस्व विभाग के सचिव एन.एन. एक्का, वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के संचालक नीरज बंसोड सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

जीवन में संकल्प शक्ति जिसके पास उसी का विकास:आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर , 11 जुलाई 2022। खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर सन्मति नगर फाफाडीह में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के बाद सोमवार को चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिसके पास संकल्प शक्ति का अभाव है वह कभी विकास नहीं कर सकता। कोई भी कार्य करने के लिए संकल्प दृढ़ होना चाहिए। जिनके संकल्प ढीले हैं उनके मस्तिष्क में विकल्प आते हैं, जिनके संकल्प मजबूत हैं वे निर्विकल्प हो जाते हैं। निर्णय के अभाव में दुख होता है। संसार में सबसे दुखी वे लोग हैं जो निर्णय करना नहीं जानते। जिनके जीवन का निर्णय नहीं है,वो दूसरे के जीवन का क्या निर्णय करेंगे। निर्णय विहीन व्यक्ति घर ,परिवार, राष्ट्र नहीं चला सकता तो वह मोक्ष मार्ग पर क्या चल पाएगा। जीवन में एक निर्णय करना पड़ता है। निर्णय के बाद आप को मजबूत होना पड़ता है। जिसे अपने कार्य का विश्वास नहीं, जिसे अपने कार्य का आनंद नहीं वह व्यक्ति कभी आगे नहीं बढ़ सकता।

आचार्य श्री ने कहा कि जीव संकल्प ना करें तो कभी कार्य नहीं हो सकता। प्रमाण की व्याख्या करते हुए आचार्य श्री ने समझाया कि मैं हूं-मैं हूं मन में बार-बार सोचें तो ज्ञान,वाक्य शब्द,था -अन्यथा दोनों का ज्ञान कराता है। व्यक्ति केवल राग के वशीभूत होकर पर को मैं मानता है। यदि आपने अपने मैं को खोज लिया, तो जो मैं बोलता है वही आत्मा है। भगवंत कहते हैं जिसे हमने ज्ञान कहा उस ज्ञान को खोजते खोजते जब परोक्ष ज्ञान को खोजते हैं तो पर की सहायता दिखाई देती है। अनुमान प्रमाण होता है। धुएं को देखकर अग्नि का ज्ञान हो जाता है। साधन से साध्य का ज्ञान होना इसका नाम अनुमान है। वचनों के,भाषा के माध्यम से व्यक्ति के भाव का बोध होता है। जैसे भाव होंगे वैसे ही भाषा निकलती है। जीवन में लोग दिखावा बहुत करते हैं। सामने कुछ और पीछे कुछ और होते हैं। जीवन से मुखौटे को उतारना होगा असली रूप में आना होगा।

आचार्य श्री ने कहा कि दीपक से आप वस्तुओं को सूने कक्ष में खोजते हो, पहले वस्तु उठाते हो या दीपक को उठाते हो? घोर आश्चर्य है कि लोग सामग्री को जान रहे हैं,लेकिन जिससे सामग्री को जानना है उसे नहीं जान रहे हैं। दीपक से वस्तुओं की खोज कर रहे हैं परंतु जिस ज्ञान से जगत को जाना जाता है, जिस ज्ञान से जगत को पहचाना जाता है, उस ज्ञान को ही नहीं जान पा रहे हो। यही अज्ञानता है। उसे जानों जिससे तुम जगत को जान रहे हो वह ज्ञान है। जो आपके बाहर नहीं है आपके भीतर है,आप ज्ञानमयी हैं।

आचार्य श्री ने कहा कि क्या एक जलते दीपक को उठाने के लिए दूसरा दीपक जलाना पड़ेगा ? जब हम जानते हैं कि दूसरे दीपक की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो स्वयं हमारी आत्मा ज्ञानमयी है। ऐसी निज आत्मा को भगवान बनाने के लिए दूसरी आत्मा की आवश्यकता नहीं है। हमें पहचानना पड़ेगा। आज से अपने आपको अज्ञानी कहना समाप्त कर दो,आप जैसा सोचते हो जैसा विचार आता है वैसा जीवन बनना प्रारंभ हो जाता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)